संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-20 अंक- 243
पृष्ठ 8
गुरुवार
23 मई 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक-उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध- रोज साइकिल चलने से..

विचार- चुनाव आयोग की साख का सवाल

फिल्म- रणवीर संग वोट डालने पहुंचीं..

मेरे जिंदा रहते गरीब,पिछड़ों का आरक्षण छीनना नामुमकिन : मोदी

बलरामपुर,एजेंसी। कांग्रेस नीति इंडिया गठबंधन के आरक्षण संबंधी बयान पर कुठाराघात करते हुये प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बुधवार को कहा कि जब तक मोदी जिंदा है, गरीब पिछड़ो आदिवसियों का आरक्षण कोई छीन नही सकता। श्रावस्ती लोकसभा और गैसड़ी विधानसभा में भाजपा प्रत्याशियों के समर्थन में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होंने कहा कि जनसैलाब का उत्साह प्यार साफ–साफ बता रहा है कि सपा कांग्रेस का इंडी गठबन्धन पूरी तरह ध्वस्त हो चुका है। पूरा देश एक ही बात कह रहा है फिर एक बार मोदी सरकार। उन्होने कहा" इंडी गठबन्धन में भयंकर बीमारियां है।

गठबंधन घोर साम्प्रदायिक,घोर जातिवादी और घोर परिवारवादी है। ये कैंसर से अधिक विनाशक बन सकती है। समाज को बांटो और वोट जिहाद करवाओ इनका लक्ष्य है। ये तुष्टिकरण के लिए नई नई स्कीम लेकर आये है। जनता के काम पूछने पर वोट जिहाद कर रहे है। कांग्रेस कहती है कि आपकी सम्पत्ति पर पहला अधिकार मुसलमानों का है। ये आपकी कमाई छीनकर मुसलमानों को बांटना चाहते है। पूरे देश मे एससीएसटी,दलित गरीब पिछड़ो का आरक्षण छीनकर वोट जिहाद करने वालो को देना चाहते है। ये चाहे जितना भी जोर लगा ले जब तक मोदी जिंदा है गरीब पिछड़ो आदिवसियों का आरक्षण कोई छीन नही सकता।" श्री मोदी ने कहा " कांग्रेस ने अपने शासित राज्यो में पहले दलितों के आरक्षण पर डाका डाला स मैं गारंटी देता हूं वंचितों का जो अधिकार है मोदी उसका चौकीदार है स देश मे कर्नाटक मॉडल लागू नही होने दूंगा। ये कभी लागू नही होने दूंगा।" जनसभा में भारी भीड़ देखकर गदगद श्री मोदी ने इसे जनता का प्यार आशीर्वाद बताते हुई अपनी पूंजी बताया। उन्होंने कहा कि हैलीपैड पर पुराने साथी मिले पुरानी बाते याद करायी और 35 वर्षो पूर्व के क्षेत्र में संगठन के मेरे काम के अनुभव से मेरे मन को ताजा कर दिया। उन्होंने कहा कि कल एक वीडियो देखा कि लोग मंच पर चढ़ रहे थे। किसी ने बताया कि सपा कांग्रेस के लोग पैसा देकर भीड़ एकत्र कर रहे है। पैसा न पाने पर लोग मंच पर चढ़ रहे हैं। जब ये हाल है तो देश और जनता का क्या भला करेंगे। उन्होने कहा " आपने देखा कि कांग्रेस के एक बड़े नेता जो कांग्रेस के शहजादे पर कंट्रोल है उनके कमांडो की तरह काम कर रहे है वे ट्वीट कर लगातार कह रहे थे निवर्तमान प्रधानमंत्री मोदी वाला मजाक उड़ाते थे। पांचवे चरण के बाद छोड़ ये मजाक उड़ना छोड़ दिया है। उन्होंने भी मान लिया कि मोदी को पीएम बनने के लिए जनता निर्णय कर चुकी है।"

नए भारत में नई प्रगति के नए पैमाने गढ़े जा रहे हैं : योगी

बस्ती,एजेंसी। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में नया भारत प्रगति के नये पैमाने गढ़ रहा है। बस्ती में भाजपा प्रत्याशी हरीश द्विवेदी,संतकबीर नगर से प्रवीण निषाद और डुमरियागंज से जगदंबिका पाल के पक्ष में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होन कहा कि आज भारत में विरासत व विकास का अद्भुत संगम दिख रहा है। पहले स्वास्थ्य सुविधाओं के नाम पर पूर्वांचल में सिर्फ बीएचयू व गोरखपुर में मेडिकल कॉलेज

था, लेकिन आज गोरखपुर में एम्स, महराजगंज, बस्ती, सिद्धार्थनगर समेत हर जिले में मेडिकल कॉलेज की स्थापना का कार्य हुआ। मासूम 40 वर्ष से इंसफेलाइटिस से दम तोड़ता था। यहां के बचपन को बचाने के लिए मोदी जी ने स्वच्छ भारत अभियान, हर घर नल योजना और मेडिकल कॉलेज जैसी स्वास्थ्य सुविधाएं दी हैं। योगी ने कहा "यह चुनावी संग्राम रामभक्त और रामद्रोहियों के बीच चल रहा है। मोदी जी के नेतृत्व में आत्मनिर्भर व विकसित भारत बनाना है। यह क्षेत्र कभी तरसता था कि एक चीनी मिल चल जाती। आज नई चीनी मिलें चल रही हैं। गन्ना मूल्य का भुगतान हो रहा है। कांग्रेस के समय में बंद हुआ गोरखपुर फर्टिलाइजर कारखाना 110 फीसदी से अधिक क्षमता से कार्य कर रहा है। नए भारत की नई प्रगति के नए पैमाने गढ़े जा रहे हैं।" श्री योगी ने कहा कि पांच चरणों के चुनाव संपन्न हो चुके हैं। पूरे देश के लोगों को चार जून के परिणाम के बारे में कोई संदेह नहीं रह गया है। चारों तरफ जनमानस उद्घोष कर रहा है– श्फिर एक बार मोदी सरकारश, श्अबकी पार–400 पारश। यह बात सुनते ही कांग्रेस व सपा के इंडी गठबंधन को चक्कर आने लगता है, क्योंकि दोनों मिलकर भी 400 सीटों पर चुनाव नहीं लड़ रहे हैं। यह लोग पूछते हैं कि ऐसा नारा क्यों, तब जनता कहती है– चाहे जितना जोर लगा लो, जीतेंगे तो मोदी ही, क्योंकि जो राम को लाए हैं–हम उनको लाएंगे।

स्थापना दिवस पर शहर समता साहित्य दीप सम्मान 2024 से सम्मानित हुई 21 महिला रचनाकार

सपा छोड़कर भाजपा में शामिल हुए नेताओं ने अखिलेश यादव पर लगाया परिवारवाद का आरोप

वाराणसी, एजेंसी। चुनाव यात्रा के दौरान प्रभासाक्षी की टीम उत्तर प्रदेश पहुंची। जहां वाराणसी में हमारे एडिटर नीरज कुमार दुबे ने दूसरी पार्टियों को छोड़कर भारतीय जनता पार्टी में शामिल हुए नेताओं से बात की। इस दौरान एक पूर्व महिला सपा नेता ने बताया कि समाजवादी पार्टी में विगत कई वर्षों से पुराने कार्यकर्ताओं की लगातार उपेक्षा हो रही है। इसीलिए उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की विकास की नीतियों से प्रभावित होकर भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। समाजवादी पार्टी पर परिवारवाद का आरोप लगाते हुए उन्होंने कहा कि जमीनी स्तर पर कार्य करने वाले कार्यकर्ताओं का परिवारवाद के कारण मनोबल टूटा है। महिला सुरक्षा को लेकर प्रदेश में बदली कानून व्यवस्था के लिए भी पूर्व सपा नेता ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को धन्यवाद दिया। देश और प्रदेश में हुए विकास कार्यों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि इस बार 400 पर का नारा निश्चित रूप से पूरा होगा। भारतीय जनता पार्टी के कार्यालय में मौजूद अन्य भाजपा समर्थकों ने भी मोदी और योगी सरकार के शासन काल में हुए विकास कार्यों की सराहना की।

भाजपा का 400 पार का नारा पूरी तरह कल्पना : थरूर

नयी दिल्ली, एजेंसी। कांग्रेस ने भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा चुनाव के लुभावने नारे 'अब की बार 400 पार' की हवा निकालते हुए इस नारे को पूरी तरह से कल्पना बताया और कहा कि यह सिर्फ बकवास है जो कहीं भी हकीक़त के आसपास नहीं है। कांग्रेस नेता शशि थरूर ने दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की मुख्यालय में बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि यह नारा कल्पना है। पांच चरण के चुनाव में साफ हो गया है कि भाजपा सिर्फ हार ही नहीं रही है बल्कि अपने गढ़ों

में भी उसकी ताकत में भारी गिरावट आ रही है। उन्होंने कहा ''मुझे गोवा, पुणे, मुंबई, वडोदरा, अहमदाबाद और अपने राज्य केरल के साथ ही देश के अन्य हिस्सों में जाने और प्रचार करने का अवसर मिला है। रैलियों को संबोधित किया है, लोगों से मिला हूं और साक्षात्कार भी दिए हूं। इन अनुभवों के आधार पर कह सकता हूं कि भाजपा हार रही है। श्री थरूर ने कहा, ''जब मैं सामान्य ज्ञान कहता हूं तो यह पहले से ही स्पष्ट था जब बीजेपी ने अब की बार 400 पार के बारे में बात करना शुरू किया था कि यह पूरी तरह से एक कल्पना थी।'' तिरुवनंतपुरम के सांसद ने कहा कि दूसरी ओर, कांग्रेस राजस्थान, हरियाणा, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और यहां तक कि उत्तर प्रदेश में पिछली बार की तुलना में काफी अच्छा प्रदर्शन कर रही है।उन्होने भविष्यवाणी किया कि बिहार, पश्चिम बंगाल और गुजरात में कुछ स्थानों पर भाजपा और एनडीए के लिए खबर इतनी अच्छी नहीं थी। उन्होंने कहा ष्सकारात्मक रुझानों को देखकर हमारा आत्मविश्वास और भी बढ़ गया है और हम अभियान के आखिरी दो हफ्तों में बिल्कुल सकारात्मक रास्ते पर हैं। इस चुनाव का मुख्य उद्देश्य केंद्र में सरकार को बदलना है।

अफजाल अंसारी मामले में हाईकोर्ट में सुनवाई

सजा बरकरार रही तो नहीं लड़ पाएंगे चुनाव, बेटी नुसरत निर्दली, लड़ेंगी

प्रयागराज गाजीपुर से सांसद अफजाल अंसारी की अपील पर इलाहाबाद हाईकोर्ट में आज 22 मई को भी सुनवाई होगी। गाजीपुर एमपी–एमएलए कोर्ट से मिली 4 साल की सजा के खिलाफ अफजाल अंसारी ने हाईकोर्ट में अपील की है। इस मामले की सुनवाई लगातार चल रही है। 21 मई को दो घंटे तक सुनवाई चली। अफजाल अंसारी के वकीलों ने हाईकोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए सजा खत्म करने की मांग की। वहीं राज्य सरकार और पीयूष राय की तरफ से भी अफजाल अंसारी की सजा बढ़ाने की मांग की गई है। बता दें कि बीते साल अफजाल अंसारी को एमपी–एमएलए कोर्ट से गैंगस्टर मामले में 4 साल की सजा हुई थी और उनकी संसद सदस्यता रद्द हो गई थी। सजा के खिलाफ अफजाल अंसारी ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में अपील किया जहां से उनको जमानत तो मिली पर सजा से राहत नहीं मिली। इसके बाद अफजाल की सजा पर सुप्रीम

कोर्ट ने अंतरिम रोक लगाई है। हाईकोर्ट को 30 जून 2024 तक अफजाल के मामले की सुनवाई पूरी कर फैसला देने का आदेश दिया गया है। अफजाल की सजा के मामले में आज हाईकोर्ट में सुनवाई होनी है। यदि इस बीच अफजाल अंसारी की सजा हाईकोर्ट से बहाल हो जाती है तो अफजाल चुनाव नहीं लड़ पाएंगे।

अब आपको गाजीपुर के सियासी समीकरण के बारे में बताते हैं

गाजीपुर लोकसभा सीट से समाजवादी पार्टी से अफजाल जबकि भाजपा से पारसनाथ राय और बसपा से डॉक्टर उमेश सिंह मैदान में हैं। फिलहाल जिले की सियासी सरगर्मी बढ़ी हुई है। वहीं अफजाल अंसारी ने यहां से अपनी बेटी नुसरत से निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में नामांकन दाखिल कराया है। गाजीपुर की मोहम्मदाबाद विधानसभा सीट पर 1985 से 2002 तक अंसारी बंधुओं का दबदबा रहा। साल 2002 में भाजपा नेता कृष्णानंद राय ने अंसारी फैमिली का विजय रथ रोकते हुए चुनाव जीता और विधायक बन गए। उन्होंने अफजाल अंसारी को 8 हजार वोटों से मात दी। यहीं से अंसारी और कृष्णानंद राय के बीच अदावत शुरू हो गई।

एके–47 से तकरीबन 500 राउंड फायरिंग

चुनाव जीतने के तीन साल बाद 29 नवंबर 2005 को बीजेपी विधायक राय एक क्रिकेट टूर्नामेंट का उद्घाटन करने जा रहे थे। टूर्नामेंट पास के गांव में था। इसलिए वे बुलेट प्रूफ गाड़ी की जगह सामान्य वाहन से चले गए। यहां से जब वो लौटने लगे, तब भांवरकोल की बसनिया पुलिया के पास एक एसयूवी उनकी गाड़ी के सामने आकर खड़ी हो गई। विधायक और उनके साथी कुछ भी समझ पाते, इससे पहले ही एसयूवी से 8 लोग उतरे और ताबड़तोड़ फायरिंग शुरू कर दी। एके–47 से तकरीबन 500 राउंड फायरिंग की गई। विधायक और उनके साथ गाड़ी पर सवार 6 लोग और गाड़ी भी छलनी हो गई। विधायक कृष्णानंद राय समेत 7 शवों का जब पोस्टमॉर्टम हुआ, तो सभी के शरीर से कुल 67 बुलेट मिलीं। मृतकों में विधायक के अलावा मोहम्दाबाद के पूर्व ब्लॉक प्रमुख श्याम शंकर राय, भांवरकोल ब्लॉक के मंडल अध्यक्ष रमेश राय, अखिलेश राय, शेषनाथ पटेल, मुन्ना यादव और उनके अंगरक्षक निर्भय नारायण उपाध्याय थे।

कृष्णनंद की पत्नी ने कराया नामजद, हिंसा भड़की

इस हत्याकांड के बाद पूरा पूर्वांचल दहल उठा। विधायक के समर्थक तोड़फोड़ पर उतर आए, जमकर आगजनी की गई। विधायक की पत्नी अलका राय ने मुख्तार, अफजाल अंसारी के अलावा मुन्ना बजरंगी समेत अन्य कई के खिलाफ केस दर्ज करवाया। अलका चाहती थीं कि इस वारदात की जांच सीबीआई करे। कुछ दिन तक सीबीआई ने केस की जांच की, फिर केस छोड़ दिया। हत्याकांड के विरोध में राजनाथ सिंह ने चंदौली में धरना दिया था। इसके बाद केस की जांच सीबीआई को सौंपी गई। सीबीआई ने मुख्तार अंसारी को मुख्य साजिशकर्ता माना था। मुख्तार मऊ विधानसभा क्षेत्र से 5 बार विधायक रह चका है। 2005 में मऊ में भड़की हिंसा में नाम सामने आने पर उसने कोर्ट में सरेंडर किया था। इस हत्याकांड के एकमात्र चश्मदीद गवाह शशिकांत राय थे। उनकी कुछ ही दिन बाद संदिग्ध हालत में मौत हो गई। मामले में जांच चली, लेकिन सबूत नहीं मिले। इसके बाद कृष्णानंद हत्याकांड के सभी आरोपियों को बाइज्जत बरी कर दिया गया।

भीड़ में जानकर अपमानित किया तो मामला एससी–एसटी का

इलाहाबाद हाईकोर्ट ने की टिप्पणी, बलिया में दर्ज एफआईआर मामले में सुनवाई

प्रयागराज। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने एससी–एसटी के मामले पर रुख साफ किया है। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने अपने एक आदेश में कहा कि एससी– एसटी की धारा 3(1) (आर) के तहत किसी को अपराधी मानने के लिए यह जरूरी है कि उस व्यक्ति ने

पब्लिक के बीच जानबूझ कर अपमान करने या डराने–धमकाने के लिए कृत्य किया हो। यह आदेश जस्टिस विक्रम डी चौहान ने पिंटू सिंह उर्फ राणा प्रताप सिंह व दो अन्य की याचिका को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए दिया है। कोर्ट ने कहा पब्लिक के बीच में जानबूझ कर अपमान करने के इरादे से किया गया कृत्य ही एससी –एसटी के दायरे में आएगा।

बलिया में दर्ज हुआ था मामला : याचियों के घखिलाफ बलिया के नगरा में नवंबर 2017 में आईपीसी की धारा 147, 452, 323, 504, 506 और एससीध्एसटी एक्ट की धारा 3(1)(आर) के तहत प्राथमिकी दर्ज कराई गई थी। आरोप था कि याचियों ने घशिकायत करने वाले के घर में घुसकर जातिगत टिप्पणी की और घर के सदस्यों के साथ मारपीट भी की।

हाईकोर्ट में एफआईआर रद करने की मांग हुई : मामले में आरोप पत्र दाघखिल होने के बाद याचियों ने हाईकोर्ट में याचिका दाघखिल कर प्राथमिकी रद्द करने की मांग की थी। कहा गया था कि आरोप के अनुसार अपराध जिस स्थान पर हुआ वह सार्वजनिक स्थान नहीं है। इसलिए एससीएसटी की धारा 3(1)(आर) के तहत कोई अपराध नहीं बनता है। कहा यह भी गया था कि कृत्य अपमानित करने या डराने–धमकाने के इरादे से नहीं किया गया।

जंक्शन पर खुला प्रदेश का छठा रेल कोच रेस्टोरेंट, मनपसंद व्यंजनों का ले सकेंगे आनंद

प्रयागराज । प्रयागराज जंक्शन पर प्रदेश का छठा रेल कोच रेस्टोरेंट मंगलवार को खुल गया। वैदिक मंत्रोच्चार के साथ रेल कोच रेस्टोरेंट का शुभारंभ मंगलवार की शाम को हुआ। पहले दिन

ही रेल कोच रेस्टोरेंट को देखने के लिए काफी संख्या में शहरी पहुंचे। ट्रेनों को पकड़ने के लिए आए तमाम यात्री भी वहां रुके। इस दौरान रेल कोच रेस्टोरेंट के साथ काफी लोगों ने सेल्फी भी ली। रेल कोच रेस्टोरेंट प्रयागराज जंक्शन के सिविल लाइंस साइड स्थित होटल पोलो मैक्स के पास बनाया गया है। रेलवे के एक पुराने एसी टू कोच को अंदर से रेस्टोरेंट का लुक किया गया है। अभी यूपी में लखनऊ, बरेली, वाराणसी, झांसी, आगरा कैंट में ही रेल कोच रेस्टोरेंट हैं। अब प्रयागराज में भी इसका शुभारंभ हो गया है। आने वाले दिनों में गोरखपुर में भी रेल कोच रेस्टोरेंट का शुभारंभ होगा। रेल कोच रेस्टोरेंट का संचालन कृष्णा कैटरर्स नाम की फर्म कर रही है। यही फर्म झांसी रेलवे स्टेशन स्थित रेल कोच रेस्टोरेंट भी संचालित कर रही है। फर्म के संचालक पर्वत सिंह यादव ने बताया कि यहां कुल 56 लोग एक साथ बैठ सकते हैं। यह 24 घंटे खुला रहेगा। रेल कोच रेस्टोरेंट में सेल्फी प्वाइंट और रंगीन फव्वारे भी लगाए गए हैं। उन्होंने बताया कि यहां सिर्फ शाकाहारी भोजन ही यात्रियों को उपलब्ध होगा। उद्घाटन के मौके पर पहुंचे अनुराग यादव ने बताया कि यहां आकर बहुत अच्छा लगा। अंदर बैठकर ऐसा लगा कि मानों महाराजा ट्रेन में सफर कर रहे हो। इलाहाबाद विश्वविद्यालय की छात्रा रश्मि शुक्ला, शिवानी ओझा ने कहा कि रेल कोच रेस्टोरेंट उन्हें काफी सुंदर लगा।

इस बार पीसीएस परिणाम जारी करने का नहीं बन सकेगा रिकॉर्ड, अगले वर्ष ही रिजल्ट आने की उम्मीद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) इस बार पीसीएस–2024 का चयन परिणाम जारी करने के मामले में नया रिकॉर्ड बनाने

की तैयारी में था। लेकिन, प्रारंभिक परीक्षा स्थगित होने के बाद आयोग के लिए अब यह रिकॉर्ड बना पाना काफी मुश्किल होगा। दरअसल, आयोग ने पीसीएस–2023 का परिणाम आठ माह नौ दिन में जारी कर दिया था। आयोग ने पहली बार किसी पीसीएस परीक्षा का परिणाम इतने कम समय में जारी किया था। पीसीएस–2023 की प्रारंभिक परीक्षा 14 मई 2023 को आयोजित की गई थी और परीक्षा का अंतिम चयन परिणाम 23 जनवरी 2024 को जारी किया गया था। पीसीएस–2024 की प्रारंभिक परीक्षा 17 मार्च 2024 को प्रस्तावित थी,लेकिन आयोग ने यह परीक्षा स्थगित कर दी। अगर आयोग पीसीएस–2023 की तरह पीसीएस–2024 का भी चयन परिणाम भी इतने कम समय में जारी कर देता तो आयोग के नाम एक नया रिकॉर्ड दर्ज हो जाता। पहली बार आयोग किसी पीपीएस परीक्षा का चयन परिणाम उसी वर्ष घोषित करता, जिस वर्ष परीक्षा का विज्ञापन जारी किया गया। दरअसल, समीक्षा अधिकारी (आरओ)/सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 में पेपर लीक का मामला आयोग के इस नए रिकॉर्ड के आड़े आ गया। पेपर लीक की घटना के बाद आयोग ने मार्च और अप्रैल में पीसीएस समेत प्रस्तावित पांच परीक्षाओं को स्थगित कर दिया। ऐसे में आयोग एक रिकॉर्ड बनाने से तो वंचित रहा ही, अन्य परीक्षाओं के परिणाम भी अब विलंब से जारी हो सकेंगे। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा परीक्षा अब जुलाई में संभावित है। हालांकि, आयोग ने अभी प्रारंभिक परीक्षा की नई तिथि घोषित नहीं की है। अगर जुलाई में प्रारंभिक परीक्षा करा दी जाती है तो भी छह माह में आयोग के लिए अंतिम चयन परिणम जारी करना पाना संभव नहीं होगा। ऐसे में पीसीएस–2024 का चयन परिणाम अब वर्ष 2025 में ही जारी किया जा सकेगा।

प्रोफेसर गायनोकोलॉजी के तीन पदों पर चयन

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग ने आयुष (होम्योपैथी) विभाग के तहत के प्रदेश राजकीय होम्योपैथिक मेडिकल कॉलेजों में प्रोफेसर गायनोकोलॉजी एंड आब्सट्रेटिक्स के तीन अनारक्षित पदों पर सीधी भर्ती का चयन परिणाम मंगलवार को जारी कर दिया। इन पदों पर भर्ती के लिए 16 मई को हुए साक्षात्कार में छह अभ्यर्थियों को बुलाया गया था, जिसमें सभी शामिल हुए। आयोग ने इनमें से नीतू सिंह, अमृता ओम प्रकाश राठौर और चंद्र मुखी गुप्ता को चयनित घोषित किया गया है।

चिकित्साधिकारी के एक पद पर चयन निरस्त

उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) ने चिकित्साधिकारी ग्रेड–2 साइकियाट्रिस्ट के 32 पदों पर सीधी भर्ती में चयनित एक अभ्यर्थी अभिषेक चाकलादार का अभ्यर्थन निरस्त कर दिया है। इनके स्थान पर समेकित मेरिट सूची से श्रेष्ठताक्रम के अनुसार ईडब्ल्यूएस श्रेणी में कोई अभ्यर्थी उपलब्ध नहीं था। ऐसे में रिक्ति के सापेक्ष मेरिट सूची में उपलब्ध अनारक्षित श्रेणी के अभिनेश नंद को नियुक्ति के लिए संस्तुत किया गया है।

हाईटेंशन करंट लगने से मनरेगा मजदूर की मौत

फूलपुर, प्रयागराज। प्रयागराज के बहरिया थाना क्षेत्र के राजेपुर गांव में लटके हाईटेंशन करंट की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। घटना सुबह की है । वह पैदल मनरेगा से काम करके लौट रहा था कंधे पर लोहे की रॉड भी रखा था । इसी दौरान हाई वोल्टेज तार की चपेट में आने से गंभीर रूप से झुलस गया और घटनास्थल पर ही उसकी दर्दनाक मौत हो गई। फूलपुर के बहरिया

थाना के राजेपुर गांव का रहने वाले संजय पुत्र मोतीलाल उम्र 35 सुबह मनरेगा से काम कर घर लौट रहे थे वह कंधे पर लोहे का रॉड भी रखे थे । 11 हजार वोल्ट के ढीले तार की चपेट में आने से बुरी तरह से झुलस कर जमीन पर गिर गए। उनकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। सूचना पर बेटा शनि 18 वर्ष , पुत्री सुनैना और पत्नी रेखा दहाड़े मार कर रोने लगी । गांव में चीख–पुकार मच गई। घटना को लेकर गांववालों में गुस्सा है। उन्होंने बिजली निगम के अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप लगाया है। ग्रामीणों के अनुसार आने जाने वाले रास्ते पर पोल से कई जगह बिजली का तार लटक रहा है।

लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर केस दर्ज करने की मांग की : एक साल से खतरा बने तार को कई बार सूचना देने के बाद भी टाइट नहीं कराया गया। लोगों ने जिम्मेदार अधिकारियों पर केस दर्ज करने की मांग की। सब इंस्पेक्टर मोहम्मद रईस अहमद पंचनामा भरकर संजय के शव को पीएम के लिए भेज दिया है। मजदूर की मौत से परिजनों का रो रो कर बुरा हाल है।

प्रयागराज का वकील रणविज, सिंह नोएडा से गिरफ्तार

प्रयागराज। प्रयागराज कमिश्नरेट पुलिस ने फरार चल रहे अधिवक्ता रणविजय सिंह को नोएडा के बादलपुर इलाके से गिरफ्तार कर लिया। वकील रणविजय सिंह के खिलाफ कई मामले दर्ज हैं। सबसे बड़ा मामला जिला अदालत प्रयागराज में वकीलों के झुंड के साथ न्याय कक्ष व जज चेंबर में घुसकर वादकारियों से मारपीट करने व जज से दुर्व्यवहार करने का है। इस मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाते हुए कार्रवाई का आदेश दिया था। साथ ही हाईकोर्ट ने रणविजय सिंह समेत 10 वकीलों को प्रदेश की किसी भी अदालत में प्रवेश पर रोक लगा दी थी। इसी के बाद प्रयागराज पुलिस अधिवक्ता रणविजय सिंह को सरगर्मी से तलाश रही थी। पुलिस की स्पेशल टीमें लखनऊ, दिल्ली, गाजियाबाद, नोएडा में वकील की तलाश में दबिश दे रही थीं। सटीक सूचना पर रणविजय सिंह को नोएडा के बादलपुर थाने के इलाके से पकड़ लिया गया। प्रयागराज पुलिस वकील को ट्रांजिट रिमांड पर प्रयागराज ला रही है। यहां कई अहम मामलों में रणविजय सिंह से पूछताछ होगी।

इलाहाबाद हाईकोर्ट तक पहुंचा था मामला : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने जिला अदालत प्रयागराज में वकीलों के झुंड द्वारा न्याय कक्ष व जज चेंबर में घुसकर वादकारियों से मारपीट करने व जज से दुर्व्यवहार करने की घटना पर जिला जज की रिपोर्ट पर बड़ी कार्रवाई की थी। कोर्ट ने दस वकीलों को आपराधिक अवमानना नोटिस जारी कर सफाई मांगी और उनके अदालत परिसर में प्रवेश पर रोक लगा दी थी। कोर्ट ने पुलिस कमिश्नर से इन वकीलों के खिलाफ दर्ज आपराधिक केस की जानकारी मांगी तथा अदालत परिसर की सुरक्षा में जिला जज के आदेशानुसार सुरक्षा बल तैनात करने का भी आदेश दिया था।कोर्ट ने जिला जज से घटना की सी सी टी वी फुटेज देखकर अवमानना करने वाले अन्य वकीलों की संलिप्तता पर रिपोर्ट मांगी थी। रिपोर्ट सीलबंद लिफाफे में पेश की गई। जिसमे दस वकीलों के नाम का खुलासा किया गया था। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति एम ए एच इदरीसी की खंडपीठ ने जिला जज द्वारा पीठासीन अधिकारी की रिपोर्ट पर संदर्भित अवमानना रिफरेंस की सुनवाई करते हुए दिया था।

जानिये क्या है मामला : मालूम हो कि प्रयागराज जिला अदालत मे मुलायम सिंह बनाम तरसू लाल केस की सुनवाई चल रही थी कि रणविजय सिंह जो अधिवक्ता है भीड़ के साथ कोर्ट रूम में आये और पीठासीन अधिकारी पर रणविजय सिंह व अन्य बनाम खुर्शीद अहमद व अन्य केस की तत्काल सुनवाई का दबाव डाला।

पूर्व मंत्री राकेशधर त्रिपाठी की सजा और जुर्माने पर रोक

प्रयागराज। आय से अधिक संपत्ति मामले में पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी को इलाहाबाद हाईकोर्ट से आज बड़ी राहत मिली है।

न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह ने आय से अधिक सम्पत्ति मामले में उनकी जमानत मंजूर कर ली है और सजा पर रोक लगा दी है। कोर्ट ने पूर्व मंत्री पर लोवर कोर्ट द्वारा लगाई 10 लाख रुपए जुर्माना पर भी रोक लगा दी है। हालांकि राकेशधर त्रिपाठी अंतरिम बेल पर जेल से छूट गए थे। अब अदालत ने उन्हें बड़ी राहत दे दी।

2013 को पूर्व मंत्री के खिलाफ दर्ज हुआ था केस

मामले के तथ्यों के अनुसार 18 जून 2013 को पूर्व मंत्री राकेश धर त्रिपाठी के खिलाफ इलाहाबाद (अब प्रयागराज) के मुट्ठीगंज थाने में आय से अधिक संपत्ति मामले में मुकदमा पंजीकृत किया गया था। आरोप लगाया गया था कि बसपा सरकार में मंत्री रहते उन्होंने ज्ञात आय से अधिक की संपत्ति अर्जित की थी। एमपी–एमएलए स्पेशल कोर्ट प्रयागराज ने मामले में राकेश धर को दोषी मानते हुए तीन साल के कारावास और 10 लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई थी। इसे याचिका में चुनौती दी गई थी। अधिवक्ता संतोष कुमार त्रिपाठी ने कहा कि राजनीतिक द्वेषवश उन्हें फंसाया गया था। हाईकोर्ट ने इस मामले में सभी पक्षों की दलीलों को सुनने के बाद फैसला सुरक्षित कर लिया था। कोर्ट ने आज इस मामले में फैसला सुनाते हुए पूर्व मंत्री को राहत दी है।

कार्यालय ग्राम पंचायत ..नींबी.. विकासखंड ....मऊ....चित्रकूट

पत्रांक /मेमो / राज्यवित्त / 15वाँ / टेंडर नोटिस / 2023-2024 दिनांक- 22-05-2024

अल्पकालीन निविदा सूचना

राज्यवित्त/15वाँ वित्त योजना के अंतर्गत उपरोक्त ग्राम पंचायत द्वारा कराए जाने वाले निम्नलिखित कार्य पर प्रयुक्त होने वाली सामग्री आपूर्ति हेतु अधोहस्ताक्षरी द्वारा व्यापार कर/आयकर में पंजीकृत फर्मों/सप्लायरो से दिनांक. 30-07-2024 को अपरान्ह.. 01..बजे तक निम्न विवरण के अनुसार निविदाये आमंत्रित की जाती है जो उसी दिन अपरान्ह.. 03..बजे तक ग्राम पंचायत में तैनात निर्माण समिति द्वारा उपस्थित निविदा दाताओ के साथ खोली जाएगी | निविदा प्रपत्र की बिक्री दिनांक 23-05-2024 से 30-07-2024 को अपरान्ह 01बजे तक ग्राम पंचायत में विविध प्रपत्र मूल की अदायगी कर क्रय किये जा सकते है|

क्रं० सं०	कार्य का नाम	सामग्री का विवरण	मात्रा	प्राकलन की धनराशि लाख रु० में	प्रतिशत धरोहर धनराशि रु० में	निविदा मूल्य रु० में
01.	ग्राम पंचायत नींबी के मजरा पतिनिया में शिव नारायण के घर के पास हैण्डपंप रिबोर कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	1.14 लाख	2%	500
02.	ग्राम पंचायत नींबी में पुरुषोत्तम के घर के पास हैण्डपंप रिबोर कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	1.20 लाख	2%	500
03.	ग्राम पंचायत नींबी में राम मिलन के घर के पास हैण्डपंप रिबोर कार्य	प्राकलन के अनुसार	प्राकलन के अनुसार	1.18 लाख	2%	500

निविदा शर्तें-

नोट- निविदा से समबन्धित शर्तें ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है
समस्त सामग्री का नाम और उसकी मात्रा ग्राम पंचायत के कार्यालय के पटल पर देखी जा सकती है

ग्राम विकास अधिकारी — ग्राम पंचायत
सचिव नींबी — प्रधान नींबी

उत्तर मध्य रेलवे

ई-टेन्डर नं.: पी आर वाई जे -सिग-203-2023-24 दिनांक: 18.05.2024

ई-निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति के लिये एंव उनकी ओर से वरिष्ठ मंडल संकेत एवं दूर संचार इंजीनियर / समन्वय / प्रयागराज द्वारा ई-टेण्डर के द्वारा पर्याप्त वित्तीय क्षमता एवं अनुभव सहित प्रतिष्ठित ठेकेदारों से निम्नलिखित कार्य के लिये **खुली निविदा, ई-निविदा** में वर्णित खुलने के दिनांक को **12.00 बजे** तक आमंत्रित की जाती है। **कार्य का विवरण निम्न प्रकार है।**

निविदा नं.: पी आर वाई जे - सिग-203-2024-25 | अनुमानित मूल्य : ₹ 7411326.12

कार्य का विवरण: प्रयागराज मंडल के चंदारी, चकेरी एवं रूमा स्टेशनों पर सरसौल-चन्दारी सेक्शन में लगे हुए सीमेन्स (वेस्ट्रेस) मेक इलेक्ट्रॉनिक इंटरलाकिंग सिस्टम का छत्तीस माह के लिये समग्र (कामप्रेहेन्सिव) अनुरक्षण अनुबन्ध।

बिड सिक्योरिटी: ₹ 148200/-, **कार्य समापन की अवधि:** 36 माह, **निविदा खुलने की तिथि:** 18.06.2024

निविदा प्रपत्रों की उपलब्धता: निविदा प्रपत्र www.ireps.gov.in पर उपलब्ध है। **निविदा खुलने का समय, तिथि तथा स्थान:** निविदा पूर्व निर्धारित तिथि को **12.30 बजे** या उसके बाद ई-निविदा द्वारा मण्डल रेल प्रबंधक, प्रयागराज के कार्यालय में खोली जाएगी। अगर उस दिन किसी कारणवश कार्यालय बन्द रहे तो निविदा अगले दिन, कार्य दिवस पर खोली जाएगी। **895/24 (A)**

North central railways | www.ncr.indianrailways.gov.in | @northcentralrailway | @CPROMCR

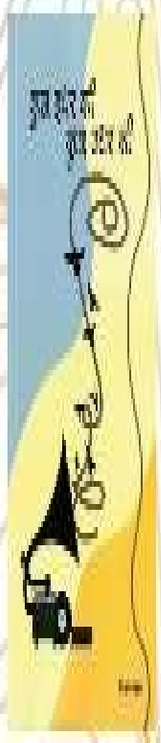

इस बहार में
लेखक
रामजीत सिंह
रु0 180/-
ठिगना भाई ठाढ़ भये
(नाटक)
लेखक
उमेश श्रीवास्तव
रु0 80/-
कुछ इधर की कुछ उधर की
लेखक
विश्वनाथ
रु0 100/-
जल के जादुई स्वास्थ्य लाभ
लेखक
विश्वनाथ
रु0 125/-
महिला सशक्तिकरण
लेखिका
डॉ0 अनुपम वर्मा
रु0 125/-
मेरे इस दिल में
लेखक
भरत सोमैया 'भारत'
रु0 100/-
मन के उस पार
लेखिका
सुमन पाण्डेय
रु0 125/-
विचार वीथी
लेखक
अंजनी कुमार सिंह
रु0 180/-
मतवाले की मधुशाला
काव्यकार
शिवराम उपाध्याय
'मुकुल मतवाला'
रु0 140/-
Psalm of Life
(Spiritual Rubaiyat)
Composed by
Shiv Ram Upadhyay
Mukul Matwal
Rs. 120/-
स्पन्दन
रु0 160/-
लेखक
राजेन्द्र तिवारी
सम्पादक
दिलीप कुमार तिवारी
इश्क-फ़ुहार
लेखिका
डॉ0 राजमती पोखरना सुराना
रु0 120/-
फुनगी
लेखक
धर्मेन्द्र कुमार सैनी
रु0 175/-
हमसे जुड़िए और अपनी लेखनी को दीजिए एक नई पहचान
आपके विचारों को रखने का सशक्त माध्यम
लोकरंजन
LOKRANJAN PRAKASHAN
3/2, Prayag Station Road, Prayagraj-2
E-mail : lokranjanprakashan@gmail.com

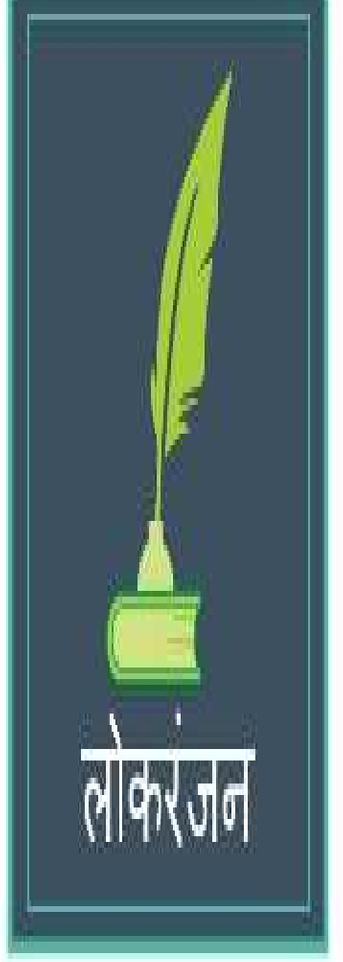

सम्पादकीय.....

खाक होती संपदा

अभी उत्तराखंड के जंगलों में लगी आग के किस्से खत्म नहीं हुए थे कि हिमाचल के जंगलों में लगी आग से हजारों हेक्टेयर वन संपदा के खाक होने के समाचार आने लगे हैं। ऐसे वक्त में जब देश के विभिन्न इलाकों में रिकॉर्ड तापमान वृद्धि से लोग हलकान हैं, सुलगते जंगल हमारे संकट को बढ़ाने वाले ही हैं। दावानल में सिर्फ जंगल में पेड़ ही नहीं जलते, तमाम तरह की जैविक विविधता, जंगली जानवर, कीट–पतंगे व पक्षी भी राख होते हैं। यह हमारे पर्यावरण के लिये बेहद घातक स्थिति है। जो निस्संदेह हमारे पारिस्थितिकीय संतुलन पर घातक प्रभाव भी डालती है। हिमाचल के कई इलाकों में लगी आग को लेकर कहा जा रहा है कि अग्निशमन दल के न पहुंच पाने और संसाधनों के अभाव में वनकर्मी झाड़ियों का झाड़ू बनाकर ग्रामीणों के सहयोग से आग को बुझाने का प्रयास कर रहे हैं। यह विडंबना है कि विदेशों में जंगल की आग बुझाने के लिये हवाई जहाजों , हेलीकॉप्टरों तथा ड्रोन के जरिये रासायनिक पदार्थ व पानी का छिड़काव किया जाता है। वहीं भारत में ऐसे प्रयास न के बराबर नजर आते हैं। उत्तराखंड में लगी आग के बाद आईआईटी रुड़की की मदद से कृत्रिम बारिश कराने के प्रयासों की चर्चा भी हो रही थी। विडंबना यही है हमारा तंत्र आग लगने के बाद कुंआ खोदने की मानसिकता से मुक्त नहीं हो पाया है। ज्यादातर मामलों में अप्रैल व मई में आग लगने की घटनाओं के मूल में उच्च तापमान वजह बतायी जाती है। लेकिन हर आग लगने की घटना में मानवीय हस्तक्षेप ही होता है। जिसमें इंसान के संकीर्ण स्वार्थ भी निहित होते हैं, तो आपराधिक लापरवाही भी। कभी कहा जाता था कि लकड़ी के ठेकेदार कुछ वनकर्मियों की मिलीभगत से इस तरह की स्थितियां पैदा करते हैं ताकि लकड़ी चोरी की वास्तविकता पर पर्दा डाला जा सके। बहरहाल, हर वर्ष के अग्निकांडों में हजारों हेक्टेयर वन संपदा का यूं तबाह होना एक मानवीय संकट का ही पर्याय है। यह एक हकीकत है कि जंगलों में लगने वाली आग को बुझाने के लिये पर्याप्त संसाधन वन व अग्निशमन विभाग के पास नहीं होते। इनका बजट सीमित होने के कारण भी आग बुझाने के आधुनिक साधन नहीं जुटाए जा सकते। वनों की जटिल भौगोलिक स्थिति के कारण भी हर अग्नि प्रभावित क्षेत्र तक पहुंच पाना मुश्किल होता है। वैसे एक हकीकत यह है कि आग बुझाने के प्रयासों से ज्यादा जरूरी है कि हम उन स्थितियों पर पहले से निगरानी रखें जो आग लगने का कारण बनती हैं। जंगलों में पतझड़ के बाद जमा पत्तियों को अलग करने का प्रयास करना चाहिए, जिससे आग के लिये सहज ईंधन न मिल सके। अकसर देखने में आता है कि कुछ वृक्षों के ज्वलनशील अवयव हर साल आग में घी का काम करते हैं। जिनको हटाने के लिये ग्रामीणों की मदद ली जानी चाहिए। वैसे एक हकीकत यह भी है कि सख्त वन कानूनों के चलते स्थानीय लोगों को वन संपदा में भागीदारी से वंचित करने के बाद ग्रामीणों का वन संपदा संरक्षण के प्रयासों से मोह भंग हुआ है। यह एक हकीकत है कि ग्राम पंचायतों जैसी इकाइयों की जवाबदेही तय करने से इस संकट को दूर करने में मदद मिल सकती है। जंगलों में लगने वाली आग पर नियंत्रण को लेकर जैसी समझ स्थानीय ग्रामीणों में होती है, वैसी समझ वेतन–भत्ता भोगी कर्मचारियों में नहीं हो सकती। सही मायनों में ग्रामीणों की जीवटता व अनुभव जंगल की आग पर काबू पाने में अधिक कारगर साबित हो सकते हैं। इस दिशा में शासन व प्रशासन को गंभीरता से सोचने की जरूरत है। अन्यथा आग लगने का अनवरत सिलसिला यूं ही जारी रहने वाला है। इसके अलावा वन विभाग व कर्मचारियों की जवाबदेही भी तय करनी होगी कि जंगलों में आग लगने में सहायक स्थितियों पर समय रहते काबू पा लिया जाए। जंगलों में आग के विस्तार को रोकने के लिये इस तरह के अवरोधक लगाये जाने चाहिए, जो आग को फैलने से रोक दें। यह एक गंभीर संकट है और गंभीर समाधान की मांग करता है।

चुनाव आयोग की साख का सवाल

एजेंसी

स्वतंत्र, निष्पक्ष और बेदाग चुनाव प्रक्रिया के लिए, भाजपा को अगले आदेश तक ऐसे विज्ञापन प्रकाशित करने से रोका जाना चाहिए। आश्चर्य की बात है कि स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराने का दायित्व चुनाव आयोग का है, लेकिन उसकी निष्क्रियता के कारण अदालत को यह बीड़ा भी उठाना पड़ रहा है।

18वीं लोकसभा के लिए हो रहे आम चुनावों के बीच कलकत्ता हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग पर एक सख्त टिप्पणी की है। भाजपा के खिलाफ तृणमूल कांग्रेस की शिकायत पर समय रहते हुए कार्रवाई न करने को लेकर हाईकोर्ट के जस्टिस सब्यसाची भट्टाचार्य ने कहा है कि यह अदालत आश्चर्यचकित है कि चुनाव खत्म होने के बाद शिकायतों का समाधान तय समय में करने में भारत का चुनाव आयोग विफल हुआ है। यह अदालत निषेधाज्ञा आदेश (स्टे) पारित करने के लिए बाध्य है। गौरतलब है कि भाजपा ने बंगाल के कुछ क्षेत्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापन दिया था, जिनमें एक में तृणमूल कांग्रेस को भ्रष्टाचार की जननी और दूसरे में सनातन विरोधी कहा गया था। टीएमसी ने इस पर चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज करते हुए कहा था कि ये विज्ञापन अपमानजनक, झूठे थे और मतदाताओं से धार्मिक आधार पर वोट करने की अपील करते थे। भाजपा के आपत्तिजनक विज्ञापनों को लेकर टीएमसी ने 4 मई को केंद्रीय चुनाव आयोग से शिकायत की थी। लेकिन जब चुनाव आयोग से समय रहते कोई कार्रवाई नहीं की गई तो फिर टीएमसी इस मामले को लेकर अदालत में गई, जहां आदेश में कोर्ट ने कहा कि श्साइलेंस पीरियडश (चुनाव से एक दिन पहले और मतदान के दिन) के दौरान भाजपा के विज्ञापन आदर्श आचार संहिता और टीएमसी के अधिकारों और नागरिकों के निष्पक्ष चुनाव के अधिकार का भी उल्लंघन थे। अदालत ने आदेश जारी करते हुए कहा– टीएमसी के खिलाफ लगाए गए आरोप और प्रकाशन पूरी तरह से अपमानजनक हैं और निश्चित रूप से इसका उद्देश्य प्रतिद्वंद्वियों का अपमान करना और व्यक्तिगत हमले करना है। स्वतंत्र, निष्पक्ष और बेदाग चुनाव प्रक्रिया के लिए, भाजपा को अगले आदेश तक ऐसे विज्ञापन प्रकाशित करने से रोका जाना चाहिए। आश्चर्य की बात है कि स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव कराने का दायित्व चुनाव आयोग का है, लेकिन उसकी निष्क्रियता के कारण अदालत को यह बीड़ा भी उठाना पड़ रहा है। टीएमसी का मामला जब अदालत में चला गया, तब जाकर आयोग शनिवार 18 मई को सक्रिय हुआ। इसके बाद पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार को उनकी पार्टी द्वारा कथित तौर पर टीएमसी को निशाना बनाने वाले विज्ञापनों पर दो अलग–अलग कारण बताओ नोटिस जारी किए। आयोग ने भाजपा नेता को मंगलवार शाम 5 बजे तक अपना जवाब देने को कहा है। हालांकि अब इस कार्रवाई का कोई अर्थ नहीं रह जाता है। इस पूरे प्रकरण से चुनाव आयोग की किरकिरी तो हुई ही है, लेकिन लोकतांत्रिक चुनावों को लेकर चिंताएं भी बढ़ गई हैं। इस पूरे चुनाव में शुरु से अब तक कई बार चुनाव आयोग की भूमिका को लेकर सवाल उठे हैं। हाल ही में उत्तरप्रदेश से एक प्रकरण सामने आया है, जिसमें एक लड़का ईवीएम पर आठ बार वोट देता नजर आ रहा है और सारे वोट भाजपा के लिए। यह वीडियो जब वायरल हुआ और विपक्ष के नेताओं ने इस पर कड़ी प्रतिक्रियाएं देते हुए चुनाव आयोग की कार्यप्रणाली पर सवाल उठाए, तब जाकर आयोग की ओर से कार्रवाई की पहल की गई। इसी तरह गुजरात से दाहोद का एक वीडियो सामने आया था, जिसमें भाजपा नेता के बेटे ने बूथ में जाकर ईवीएम को अपने कब्जे में ले लिया था और इस दुस्साहस को सोशल मीडिया पर प्रचारित भी किया था। इसके विरोध में जब आवाजें तेज हुईं तब जाकर चुनाव आयोग ने इस बूथ पर फिर से मतदान करवाया। इसी तरह 13 मई को हुई चौथे चरण की वोटिंग के दौरान हैदराबाद में भाजपा प्रत्याशी माधवी लता ने एक बूथ पर मुस्लिम महिलाओं के बुर्के उठवाकर उनके पहचान पत्र की जांच की। उनका वीडियो भी वायरल हुआ और विपक्ष ने कार्रवाई की मांग की, तब जाकर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज हुई है। इन बड़ी घटनाओं के अलावा दसियों छिटपुट घटनाएं हुई हैं, जिनमें सारे कागजात सही होने के बावजूद किसी मतदाता को मतदान से वंचित कर दिया गया या उसका वोट किसी और पार्टी को दिलवाया गया। कहीं पुलिस अधिकारी तो कहीं पार्टियों के बूथ एजेंट मतदाताओं को धमकाते हुए भी नजर आए। ये सारी घटनाएं इसलिए हो रही हैं क्योंकि कहीं न कहीं चुनाव आयोग की कमजोरी सामने आ चुकी है। उसकी कार्यप्रणाली या पक्षपाती रवैये पर सवाल उठने लगे हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट की सख्त टिप्पणी विपक्ष के इस आरोप को ही पुख्ता करती है कि चुनाव आयोग भाजपा के खिलाफ कार्रवाई करने की हिम्मत नहीं दिखाता है। जब आम चुनावों की घोषणा केन्द्रीय निर्वाचन आयोग ने की थी तो बड़े दम के साथ कहा था कि हम बेदाग चुनाव चाहते हैं। यह बात बोलने में आसान लगती है लेकिन क्रियान्वयन में काफी कठिन है। इसके लिए जिस दृढ़ इच्छाशक्ति की आवश्यकता होती है, उसके प्रदर्शन में चुनाव आयोग बार–बार चूका है। नरेन्द्र मोदी समेत सत्तारुढ़ दल के कई नेता लगातार धार्मिक, सांप्रदायिक आधार पर वोट मांग रहे हैं, लोगों को उकसाने वाले बयान दे रहे हैं। इनकी शिकायतें लेकर कई बार विपक्षी दल चुनाव आयोग तक गए, लेकिन आयोग की ओर से भाजपा अध्यक्ष को एक नोटिस जारी कर दिया गया, मानो औपचारिकता का निर्वाह हो रहा है। जबकि इन चुनावों में जब संविधान और लोकतंत्र के सवाल सबसे अहम बनकर उभरे हैं तो इसका साफ अर्थ है कि जनाधिकारों पर कहीं न कहीं कोई खतरा महसूस किया जा रहा है। जिस तरह से भाजपा ने चुनाव शुरु होने से पहले ही 4 सौ पार सीटों का दावा करते हुए फिर से सत्ता में लौटने का ऐलान किया था, वह भी लोकतांत्रिक प्रवृत्ति का परिचायक नहीं था। ऐसे में चुनाव आयोग की यह जिम्मेदारी है कि वह पूर्ण सजगता और निष्पक्षता के साथ काम करे। मगर वह दोनों जगह चूक रहा है।

एक चाल का तानाशाह

राजेंद्र शर्मा

पांचवे चरण में 49 सीटों के लिए मतदान के साथ, 2024 के चुनाव का नतीजा एक तरह से तय होकर, ईवीएम मशीनों में बंद हो चुका है। बचे हुए दो चरणों में जिन 125 सीटों पर वोट पड़ने हैं, उनकी संख्या और मिजाज, दोनों ऐसे नहीं हैं कि, चुनाव अचानक पलटा खा जाए। अब 428 सीटों के लिए मतदान के साथ ईवीएम मशीनों में बंद यह नतीजा क्या है, इसका ठीक–ठीक पता तो 4 जून को मतगणना से ही चलेगा। फिर भी इतना तय है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संघ–भाजपा की बदहवासी साफ–साफ दिखाई दे रही है। इस बदहवासी के दूसरे अनेक लक्षणों के अलावा, एक और नया लक्षण जो व्यापक रूप से राजनीतिक तथा विशेष रूप से मीडिया प्रेक्षकों ने दर्ज किया है, चुनाव की तारीखों की घोषणा के बाद से प्रधानमंत्री मोदी का, भांति–भांति के मीडिया संस्थानों को पांचवे चरण के मतदान के दिन तक 42 साक्षात्कार दे चुका होना है। यह दूसरी बात है कि मीडिया से आमने–सामने होने में सौ फीसद अनुकूलता और नियंत्रण हासिल करने की हवस में, मोदी के प्रचार प्रबंधकों ने इन्हें साक्षात्कार के नाम पर मजाक ही बनाकर रख दिया है। अब तक आई जानकारियों के अनुसार, इन सभी आयोजनों में अगर साक्षात्कार के नाम पर कुछ है तो यही कि संबंधित मीडिया संस्थानों के सावधानी से चुने गए साक्षात्कारकर्ताओं को, इस बहाने से प्रधानमंत्री मोदी से दस–पंद्रह मिनट की आमने–सामने की मुलाकात और मामूली गप–शप करने का भी मौका दिया जाता है, जिसकी तस्वीरों का बाद में उपयोग भी किया जा सकता है। वर्ना साक्षात्कारकर्ताओं के चयन से लेकर, प्रश्नों के सूत्रीकरण और जवाबों की रिकार्डिंग और अंततरू संपादन तक, सब कुछ प्रधानमंत्री कार्यालय खुद करता है और तैयार कॉपी प्रसारण प्रकाशन के लिए, मीडिया संस्थान को उपलब्ध करा दी जाती है। हैरानी की बात नहीं है कि सोशल मीडिया में इस पर व्यंग्यात्मक चर्चा ही चल पड़ी है कि साक्षात्कार की इस प्रजाति को किस नाम से पुकारा जाना चाहिए। और भी गहरी विडंबना यह कि इन्हीं छद्म साक्षात्कारों में से एक में, प्रधानमंत्री मोदी ने एक सवाल के अपने जवाब में अपने कार्यकाल के दस साल में, एक भी खुली प्रेस कान्फ्रेंस नहीं करने की सफाई देने की सरासर बेईमान कोशिश भी की है। मोदी ने अपने खुली प्रेस कान्फ्रेंस न करने के लिए, प्रेस को ही दोषी ठहराने का रास्ता चुना है। उन्होंने इसकी शिकायत की है कि अब प्रेस, पहले की तरह तटस्थ या वस्तुनिष्ठ नहीं रह गई हैय पत्रकार अपनी राय से, अपने विचारों से संचालित होते हैं। जाहिर है कि इसीलिए, उन्होंने कोई प्रेस कान्फ्रेंस नहीं की। मोदी के स्वतंत्र प्रेस से भागने की इस झूठी बहानेबाजी की विडंबना सिर्फ इतनी ही नहीं है कि इसमें उन्होंने सारे के सारे प्रेस पर ही पक्षपाती और पूर्वाग्रही होने की तोहमत लगा दी है। इस तर्क का विस्तार करें तो नरेंद्र मोदी ने पक्षपाती तथा पूर्वाग्रही का यह ठप्पा सिर्फ भारतीय प्रेस पर ही नहीं लगाया है बल्कि दुनिया भर के प्रेस पर लगाया है। आखिरकार, यह तो किसी से छुपा हुआ नहीं है कि प्रधानमंत्री मोदी देश में ही नहीं, विदेशी धरती पर और विदेशी पत्रकारों से रूबरू होने से भी,सायास बचते आए हैं। मोदी की स्वतंत्र प्रेस नीति तो इस हद तक जाती है कि जी–20 शिखर सम्मेलन के दौरान, अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ आए पत्रकारों को मोदी राज के आदेश पर घंटों तक उनके वाहन में ही बंधक बनाकर बैठाए रखा गया था, ताकि इस सम्मेलन के हाशिए पर हुई मोदी–बाइडेन मुलाकात के बाद, मोदी को पत्रकारों के सवालों का सामना नहीं करना पड़े। भारत को दुनिया भर में हँसी का पात्र बनाने वाले इस प्रसंग के आखिर में, बाइडेन को वियतनाम पहुंचकर ही अमरीकी व अन्य पत्रकारों को संबोधित करना पड़ा था। इससे भी बड़ी विडंबना यह है कि मीडिया प्रेस में वस्तुगतता और निष्पक्षता के न रह जाने की शिकायत वही प्रधानमंत्री कर रहे थे, जिसके दस साल के राज में मीडिया की मुख्यधारा को पालतू बनाने और स्वतंत्र मीडिया को कुचलने में जितनी ऊर्जा लगाई गई है, उतनी ऊर्जा तो शायद अपने राजनीतिक विरोधियों को बर्बाद करने पर भी नहीं लगाई गई होगी। विडंबना के साथ, मजाक का छौंक यह कि प्रेस की स्वतंत्रता के ह्रास की शिकायत भी छद्म साक्षात्कारों की ऐसी शृंखला के दौरान की जा रही थी, जिसे चुनाव के संदर्भ में पहले कभी पेड न्यूज के रूप में आदर्श चुनाव संहिता का उल्लंघन ही माना गया होता। इसी क्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने, एक और बेढब दलील यह दी कि अब मैं संसद में हूं, वहीं जवाब दिया जाता है। लेकिन, यह दलील भी मीडिया के तटस्थ न रह जाने जितनी ही झूठी है। पहली बात तो यह कि मोदी कोई पहले प्रधानमंत्री तो हैं नहीं, जो संसद में हों और जिनकी संसद के प्रति जवाबदेही बनती हो। हरेक प्रधानमंत्री को, संसद के किसी न किसी सदन का सदस्य होना ही होता है। फिर भी, मोदी देश के ऐसे पहले प्रधानमंत्री हैं, जिन्होंने दस साल में एक भी खुली प्रेस कान्फ्रेंस का सामना नहीं किया है। दूसरी बात यह है कि संसद में सवालों के जवाब देने का प्रधानमंत्री मोदी का रिकार्ड, पत्रकारों के सवालों का सामना करने के उनके रिकार्ड जितना ही खराब है। सच्चाई यह है कि प्रधानमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दस साल में नरेंद्र मोदी ने संसद में भी एक भी सवाल का जवाब नहीं दिया है। प्रधानमंत्री के रूप में मोदी ने संसद में, खास–खास सत्रों में, खास–खास बहसों के जवाब के नाम पर, अपने मन की बात भर की है, वर्ना उनका रिकार्ड संसद से ज्यादातर समय गायब रहने का और उसकी चर्चाओं में हिस्सा लेने से बचने का ही रहा है। स्वतंत्र प्रेस के जरिए और जाहिर है कि संसद के जरिए भी, जनता के सामने जवाबदेही से ही प्रधानमंत्री मोदी के इस तरह भागने की असली वजह, उनका तानाशाहाना मिजाज है। नरेंद्र मोदी खुद को भारत का बादशाह या शहंशाह या चक्रवर्ती सम्राट जैसा कुछ समझते हैं, जिसकी इच्छा ही सर्वोपरि है और जिसका निर्णय ही कानून है। वास्तव में निर्वाचित सत्ताधीश के सर्वोपरि होने की दलील, मोदी राज में सत्ता के प्रधान नैरेटिव के रूप में बार–बार हमें सुनने को मिलती है। यही दलील जरा तिर्यक रूप से खुद प्रधानमंत्री मोदी के दावों में भी हमें सुनने को मिलती है, जब वह 140 करोड़ भारतीयों की ओर से बोलने का दावा ही नहीं करते हैं, यह दावा भी करते हैं कि 140 करोड़ भारतीयों के प्रतिनिधि की उनकी हैसियत, उनकी तमाम आलोचनाओं को, उन के खिलाफ तमाम आरोपों को, खारिज कर देती है। नरेंद्र मोदी के शब्दों में, 140 करोड़ भारतीय उनकी ढाल बन जाते हैं। इसी तानाशाहाना मिजाज का नतीजा है कि मोदी राज के दस साल में खुद संसद समेत, जनतंत्र की सभी संस्थाओं को कमजोर किया गया है, उनकी स्वतंत्रता को खत्म किया गया है। खुद कार्यपालिका तक में सारी की सारी शक्ति को प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री कार्यालय में केंद्रित किया गया है। संसद की कार्यपालिका की जवाबदेही सुनिश्चित करने की भूमिका को लगभग खत्म ही कर दिया गया है। न्यायपालिका को पालतू बनाने की कोशिशों के अलावा, उस पर प्रत्यक्ष नियंत्रण कायम करने के लिए, मोदी राज ने बराबर एक जंग सी ही छेड़े रखी है। मुख्यधारा के मीडिया पर सत्ताधारियों द्वारा करीब–करीब पूरा कब्जा ही किया जा चुका है। ऐसा ही हाल उच्च शिक्षा संस्थानों का है और जेएनयू आदि की तरह जिन इक्का–दुक्का संस्थाओं ने अपवादस्वरूप अपनी स्वायत्तता की रक्षा करने के लिए संघर्ष जारी रखा है, उन्हें शासन द्वारा एक प्रकार से शत्रु–संस्थाएं ही घोषित कर दिया गया है, जिन्हें जीतने की उसकी जंग लगातार जारी रही है। सीबीआई, ईडी, एनआईए आदि व पुलिस बलों, सभी संस्थाओं को सत्ताधारियों के ही नहीं, उनमें भी सबसे बढ़कर बादशाह सलामत और उनके दरबार के औजारों में बदल दिया गया है। कहने की जरूरत नहीं है कि ये बदलाव, वर्तमान सत्ता के तकाजों के अनुरूप हैं जरूर, लेकिन तात्कालिक तकाजों तक ही सीमित नहीं हैं। वे पूरी राज्य व्यवस्था को ही तानाशाही में तब्दील कर रहे हैं। और तो और बहुसंख्यक धार्मिक प्रतिष्ठान को भी महत्वपूर्ण रूप से बदल दिया गया है।

बिहार लोकसभा चुनाव में वाम दलों की सक्रियता से एनडीए चिंतित

अरुण श्रीवास्तव

बिहार में 2020 के विधानसभा चुनाव में युगांतकारी जीत के बाद, जिसमें सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने उन 16 में से 12 सीटें जीतीं जहां उसके उम्मीदवार चुनाव मैदान में थे। पार्टी इस बार अपने प्रतिनिधियों को लोकसभा में भेजने के लिए काफी आशान्वित है। उस चुनाव में तीन मुख्य वामपंथी दलों ने 29 विधानसभा क्षेत्रों में चुनाव लड़ा और 16 पर जीत हासिल की थी। सीपीआई और सीपीआई (एम) ने क्रमशरू जिन छह और चार सीटों पर चुनाव लड़ा था, उनमें से दो–दो पर कब्जा कर लिया। हालांकि वाम दल राजद के नेतृत्व वाले महागठबंधन में भागीदार थे। सीपीआई (एमएल) –एल के कम से कम दो सीटें जीतने की आशावादिता का कारण यह है कि 2020 में उसने महागठबंधना का घटक दल होने के बावजूद कुछ निर्वाचन क्षेत्रों में राजद उम्मीदवारों के खिलाफ लड़कर जीत हासिल की थी। हालांकि राजद मुसलमानों और यादवों (एमवाई) का पारंपरिक समर्थन आधार रहा है, सीपीआईएमएल को गरीब यादवों, मुसलमानों और अन्य बेहद गरीब जातियों का भारी समर्थन मिला। इसका स्पष्ट अर्थ यह है कि इसे गरीबों के इस वर्ग का अडिग विश्वास प्राप्त है। इस बार सीपीआई (एमएल)–एल ने कम से कम छह सीटों की मांग की थी, लेकिन इंडिया गठबंधन के बड़े भाई लालू यादव अनिच्छुक थे क्योंकि उनकी कुछ अन्य प्रतिबद्धताएं थीं। सीपीआई (एमएल) ने जो सीटें मांगी थीं, वे अंततरू कांग्रेस को सौंप दी गयीं। इनमें से एक सीट थी पूर्णिया। अब चुनाव की घोषणा से बमुश्किल एक हफ्ते पहले जेडीयू से अपनी निष्ठा बदलने वाली राजद की बीमा भारती को कांग्रेस के बागी पप्पू यादव से कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। फिर भी सीपीआई (एमएल) को तीन सीटें दी गयीं। वह आरा, नालंदा और काराकाट की तीन लोकसभा सीटों पर चुनाव लड़ रही है। सीपीआई (एमएल) के महासचिव दीपांकर भट्टाचार्य इन सीटों पर जीत को लेकर आश्वस्त हैं। नालंदा को छोड़कर, दो अन्य सीटों पर सत्तर के दशक की शुरुआत में सीपीआई (एमएल) द्वारा बड़े पैमाने पर किसान लामबंदी देखी गयी थी। भोजपुर का मुख्यालय आरा किसान सशस्त्र संघर्ष के सर्वोच्च क्रम का गवाह रहा है जिसमें सैकड़ों कार्यकर्ता और नेता शामिल थे। इस साल की चुनावी लड़ाई का एक महत्वपूर्ण पहलू यह है कि पहली बार सीपीआई (एमएल) लिबरेशन ने चुनावी लड़ाई में प्रवेश किया है। हालांकि इसके वरिष्ठ नेता रामेश्वर प्रसाद ने 1989 में आरा लोकसभा सीट से जीत हासिल की थी, लेकिन उन्होंने उस समय सीपीआई (एमएल) के जन संगठन इंडियन पीपुल्सफ्रंट के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ा था। काराकाट में, सीपीआई (एमएल) के उम्मीदवार पूर्व विधायक राजाराम सिंह का मुकाबला एनडीए के सहयोगी राष्ट्रीय लोक मोर्चा के नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री उपेंद्र कुशवाहा से है। इसके अलावा, एआईएमआईएम उम्मीदवार की मौजूदगी से निर्वाचन क्षेत्र में मुस्लिम वोटों का विभाजन हो सकता है। पुराने समय के सुदामा सिंह, जिन्होंने साठ के दशक के अंत में एक छात्र नेता के रूप में अपना कॅरियर शुरू किया और अब आरा से विधायक हैं, आरा संसदीय क्षेत्र से बिहार के पूर्व गृह सचिव और केंद्रीय मंत्री आरके सिंह का विरोध कर रहे हैं। नालंदा सीट से विधायक संदीप सौरभ भी मैदान में हैं। नालदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का गृह क्षेत्र है। पार्टी के वरिष्ठ नेता राजाराम सिंह काराकाट लोकसभा क्षेत्र से चुनाव लड़ रहे हैं। तीनों विधानसभा क्षेत्रों आरा, काराकाट और नालंदा में एक जून को मतदान होगा। फिर भी सौरभ को जदयू के कौशलेंद्र कुमार से गंभीर चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। इस क्षेत्र में कोइरी और कुर्मियों की सघनता अधिक है। चूंकि कुमार जद(यू) के नीतीश कुमार के उम्मीदवार हैं इसलिए उम्मीद है कि नीतीश की निजी अपील का असर होगा। हालांकि सत्तर और अस्सी के दशक में निर्वाचन क्षेत्र के एक हिस्से में बेलछी और प्रमुख किसान संघर्ष जैसी घटनाएं देखी गयी थीं, इसलिए पार्टी की अपील का असर होगा। सीट बंटवारे की व्यवस्था के तहत राजद ने बिहार में वामदलों को जो पांच सीटें दी हैं, उनमें से सीपीआई (एम) ने खगड़िया से संजय कुमार सिंह को मैदान में उतारने का फैसला किया है, जबकि सीपीआई ने बेगुसराय से पूर्व विधायक अवधेश राय को टिकट दिया है। भट्टाचार्य को पूरी उम्मीद है कि दोनों पार्टियां अच्छा प्रदर्शन करेंगी और सिंह खगड़िया में एनडीए उम्मीदवार के लिए बड़ी चुनौती बनेंगे। सीपीआई (एम) के संजय कुमार, जो ओबीसी कुशवाहा समुदाय से हैं, राजद के पारंपरिक एम–वाई वोट बैंक मुसलमानों और यादवों के समर्थन पर भरोसा कर रहे हैं। सीपीआई ने भाजपा उम्मीदवार गिरिराज सिंह को हराने के लिए कड़ी मेहनत की, जिन्होंने भयानक सांप्रदायिक अभियान चलाया और बेगुसराय की सीट वापस जीत ली, जिसे 1950 के दशक के अंत से 1990 के दशक के अंत तक सक्रिय कम्युनिस्ट आंदोलन के कारण शबिहार का लेनिनग्रादश कहा जाता था। खगड़िया में तीसरे चरण में 7 मई को मतदान हुआ। यहां लड़ाई कुमार और चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास) उम्मीदवार राजेश वर्मा के बीच थी। एक अन्य कारक जिसने कुमार के पक्ष में काम किया, वह है विकासशील इंसान पार्टी (वीआईपी) के नेता मुकेश साहनी का उन्हें समर्थन। वह अब महागठबंधन के साथ हैं। साहनी एक मल्लाह नेता हैं। लालू द्वारा वामपंथी गुट को वांछित संख्या में सीटें देने से इंकार करना एक रणनीतिक कदम है। सीपीआई (एमएल) राज्य के पूरे उत्तर और पूर्वी हिस्सों में एक प्रमुख राजनीतिक ताकत के रूप में उभरी है। 2020 के विधानसभा चुनाव में इसकी सफलता इस तथ्य को रेखांकित करती है बड़े पैमाने पर राज्य दमन के बाद भी इसे गरीबों का समर्थन और निष्ठा प्राप्त है। सीपीआई (एमएल) और सीपीआई और सीपीआई (एम) के पुनरुत्थान ने बड़े पैमाने पर राजद की छवि को उसके पारंपरिक आधारों में प्रभावित किया होगा। एक और कारक जिसने लालू को नौ सीटें देने की वामपंथियों की मांग को मानने से रोका, वह है मुस्लिम वोटों के खिसकने का डर।

रणवीर संग वोट डालने पहुंचीं प्रेग्नेंट दीपिका पादुकोण, बेबी बंप फ्लश्न्ट करते दिखीं 'लेडी सिंघम'

> अक्षय कुमार, जाह्नवी कपूर, वरुण धवन, अनिल कपूर जैसे कई और सितारों की तरह ही दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह भी वोट डालने पहुंचे। दोनों को देखते ही मतदान केंद्र पर भीड़ लग गई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दोनों ही सफेद शर्ट और ब्लू जीन्स में ट्विनिंग करते नजर आए।

लोकसभा चुनाव 2024 के पांचवें चरण के लिए छह राज्यों और दो केंद्र शासित प्रदेशों की 49 संसदीय सीटों पर मतदान हो रहे हैं। सुबह से ही लोग मतदान करने पहुंच रहे हैं। मतदान सुबह 7 बजे शुरू हो गए हैं जो शाम 6 बजे तक जारी रहेंगे। मुंबई में भी आज मतदान है। ऐसे में सितारों की महफिल मतदान कंद्रों पर देखने को मिल रही है। सितारे अपने–अपने पोलिंग बूथ पर पहुंचकर वोट डाल रहे हैं। अक्षय कुमार, जाह्नवी कपूर, वरुण धवन, अनिल कपूर जैसे कई और सितारों की तरह ही दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह भी वोट डालने पहुंचे। दोनों को देखते ही मतदान केंद्र पर भीड़ लग गई। दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दोनों ही सफेद शर्ट और ब्लू जीन्स में ट्विनिंग करते नजर आए। इतना ही नहीं इस दौरान लोगों को एक्ट्रेस बेबी बंप की भी झलक देखने को मिली, जिसे वो अपनी ढीली–ढाली शर्ट में छिपाती नजर आ रही हैं। इसका वीडिया भी सामने आया है। एक्ट्रेस के पति रणवीर सिंह उन्हें भीड़ से बाहर निकालते दिख रहे हैं। रणवीर केयरिंग पति की तरह अपनी प्रेग्नेंट पत्नी दीपिका पादुकोण का हाथ थामे आगे बढ़ते दिख रहे हैं। रणबीर और दीपिका दोनों की जोड़ी हमेशा की तरह कमाल की लग रही है। वैसे लाख छिपाने के बाद भी एक्ट्रेस का बेबी बंप लोगों को दिख ही गया है, जिसे देखने के बाद लोगों का कहना है, 'और कितना छिपाओगी, अब तो दिख गया।' एख और शख्स ने लिखा, 'दिख ही गया दीपिका का बेबी बंब।' इस तरह के कमेंट से कमेंट सेक्शन भरा पड़ा है। याद दिला दें, इन दिनों एक्ट्रेस कई बार बेबी बंप के साथ स्पॉट हो चुकी हैं। जैसे ही उनकी तस्वीरें सामने आती हैं वो वायरल हो जाती हैं। जल्द ही दीपिका पादुकोण और रणवीर सिंह दोनों अपकमिंग फिल्म 'सिंघम अगेन' में साथ दिखेंगे। एक्ट्रेस इसकी शूटिंग भी पूरी कर रही हैं। इस फिल्म में एक्ट्रेस महिला पुलिस अधिकारी के किरदार में हैं और उनका एक्शन वाला अंदाज देखने को मिलेगा। इस फिल्म में एक्ट्रेस के पति रणवीर सिंह भी हैं। रणवीर भी फिर से सिंबा की भूमिका निभाएंगे। बता दें कि 'सिंघम अगेन' के सेट से भी दीपिका की बेबी बंप वाली तस्वीर काफी वायरल हुई थी।

टाइगर श्रॉफ के हाथ लगी बिग बजट फिल्म, इस बड़े डायरेक्टर ने थामा हाथ

बॉलीवुड के यंगेस्ट एक्शन स्टार टाइगर श्रॉफ को आखिरी बार 'बड़े मियां छोटे मियां' में देखा गया था। इस फिल्म में उनके साथ अक्षय कुमार लीड रोल में नजर आए थे। टाइगर–अक्षय के अलावा मानुषी छिल्लर और अलाया एफ भी मुख्य रोल में थीं। हालांकि, ये फिल्म बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। लेकिन, अब टाइगर श्रॉफ के हाथ एक बड़ी फिल्म लग गई है। टाइगर एक बड़े बजट की फिल्म के लिए करण जौहर के साथ काम करने के लिए तैयार हैं। ट्रेड एक्सपर्ट और फिल्म क्रिटिक जोगिंदर टुटेजा ने इस संबंध में एक ट्वीट भी किया है। रिपोर्टों के अनुसार, श्रॉफ धर्मा प्रोडक्शन द्वारा निर्मित एक फिल्म करने के लिए तैयार हैं, जिसमें वह पहले कभी न देखे गए अवतार में नजर आएंगे। कई स्क्रिप्ट्स पर विचार करने के बाद, टाइगर और करण दोनों ने इस स्क्रिप्ट पर विचार किया, दोनों को लगा कि 2025 में बड़े पर्दे पर वापसी के लिए एक्टर के लिए सबसे अच्छी फिल्म होगी। सोर्स ने कहा "तौर–तरीकों पर काम किया जा रहा है और एक घोषणा की जा रही है जून के अंत तक बनने की उम्मीद है।" ये एक फुल एंटरटेनर होने वाली है, जिसे ग्रैंड स्केल पर पेश किया जाएगा। रिपोर्ट में आगे कहा गया, "यह किरदार उनके (टाइगर) द्वारा पिछले 10 सालों में किए गए किसी भी काम से अलग है।" टाइगेरियंस यह जानने के लिए उत्सुक हैं कि प्रोजेक्ट किस बारे में होगा। एक्टर को बड़े पर्दे पर एंटरटेन करते देखने के लिए उनकी उत्सुकता आसमान छू रही है। ट्रेड एनालिस्ट जोगिंदर टुटेजा ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर इस बड़ी खबर को शेयर करके टाइगेरियंस के बीच उत्साह बढ़ा दिया है। हालांकि, यह आगामी फिल्म 2025 में रिलीज होने वाली है, टाइगर के पास पाइपलाइन में कुछ दिलचस्प प्रोजेक्ट्स हैं। जहां उन्हें आखिरी बार 'बड़े मियां छोटे मियां' में देखा गया था, वहीं वह 'सिंघम अगेन' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। टाइगेरियंस भी हाल ही में घोषित एक्शन फिल्म 'बागी 4' में सुपरस्टार की तरह उनका जलवा देखने का इंतजार कर रहे हैं, जो अगले साल रिलीज होने के लिए तैयार है।

फिट और टोन्ड बॉडी के लिए फॉलो करिए सारा अली के ये डाइट प्लान

सारा अली खान ने इंडस्ट्री में आने से पहले काफी वेट लॉस किया था और इसके बाद वह अपनी परफेक्ट फिगर को फ्लॉन्ट कर रही हैं आइए जानते हैं क्या है सारा का डाइट और वर्कआउट प्लान, सारा ने एक इंटरव्यू में अपनी डाइट के बारे में बात किया था। एक्ट्रेस सारा अली खान अक्सर अपनी फिटनेस और डाइट से जुड़े सीक्रेट्स शेयर करती रहती हैं सारा ने बताया कि उन्हें फिट रहने के लिए डाइट का काफी ख्याल रखना पड़ता है सारा कार्ब्स और शुगर नहीं खाती है सुबह उठकर वह सबसे पहले गुनगुने पानी के साथ एक चुटकी हल्दी लेती हैं सारा एग्स और चिकन को डाइट में शामिल करना पसंद करती हैं स्नैक्स के तौर पर एक्ट्रेस खीरे को हेल्दी ऑप्शन मानती हैं वह रोज वर्कआउट करती हैं और वर्कआउट के बाद ग्रीक योगर्ट और प्रोटीन लेती हैं सारा भूखे रहकर वेट लॉस करने पर जोर नहीं देती है बल्कि अपनी बॉडी के हिसाब से डाइट लेने की सलाह देती हैं सारा का मानना है कि हेल्दी रहने के लिए सुबह सबसे पहले वर्कआउट करना चाहिए। वह पिलाट्स एक्सरसाइज और कार्डियो को अपना फिटनेस सीक्रेट मानती हैं सारा का मानना है कि अगर आप वजन कम करना चाहते हैं तो खुद पर भरोसा करना सीखे। सारा वेट लॉस के लिए टेनिस और डांसिक करती हैं इसके अलावा वह हफ्ते में 1 दिन डाइट और वर्कआउट दोनों को ब्रेक देती हैं।

'रामायण' में असली सोने से बनेंगे लंकापति रावण के कपड़े, कीमत जान हो जाएंगे हैरान

रणबीर कपूर और साई पल्लवी स्टारर फिल्म रामायण में रावण के किरदार को हूबहू दिखाने के लिए नई खबर सामने आ रही है। बता दें मेकर्स ने रावण के कॉस्ट्यूम को सोने से बनवाने की बात कही है। हल ही में फिल्म के सेट से कुछ तस्वीरें भी लीक हुईं जिसमें रणबीर कपूर श्रीराम के रोल में और साउथ एक्ट्रेस साई पल्लवी माता सीता के रोल में नजर आईं। नितेश तिवारी की फिल्म 'रामायण' सोशल मीडिया पर आए दिन ट्रेंड में बनी रहती है। फिल्म से जुड़ी अब तक कई जानकारियां सामने आ चुकी हैं। यह कन्फर्म है कि रणबीर कपूर, श्रीराम और साई पल्लवी, माता सीता के रोल में होंगी। इसके अलावा लंकापति रावण के रोल को लेकर एक अपडेट सामने आई है। रावण सोने की लंका पर राज करता था और वहां का राजा था। इसलिए फिल्म में रावण बनने वाले यश भी असली सोने के कपड़े पहनेंगे। उनका लिबास असली सोने से तैयार किया जाएगा। साथ ही ये भी जानकारी सामने आई है कि इस फिल्म के लिए यश फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन पर फोकस कर रहे हैं। वह अपने किरदार के लिए 15 किलो वजन बढ़ाएंगे। 'रामायण' फिल्म से अब तक जो जानकारी और तस्वीरें सामने आई हैं, उसमें कैकेयी के रोल के लिए लारा दत्ता और राजा दशरथ के रोल में अरुण गोविल नजर आएंगे। फेमस डिजाइनर्स रिम्पल–हरप्रीत फिल्म के स्टार्स के लिए कॉस्ट्यूम डिजाइन करेंगे।

सोनम कपूर ने फैशन इन्फ्लुएंसर नैंसी त्यागी की तारीफ की, ड्रेस को खूबसूरत और अलग बताया

बॉलीवुड की सबसे खूबसूरत अभिनेत्रियों में से एक, सोनम कपूर हमेशा अपने नाटकीय अलंकृत सिल्हूट से लेकर साधारण एलबीडी तक के लिए सुर्खियों में रही हैं और अब भी कमाल करती हैं। यह सिर्फ पोशाक नहीं है बल्कि वह जिस आत्मविश्वास के साथ इसे पहनती है उससे फर्क पड़ता है। उनकी फिल्मों में उनकी वेशभूषा उन्हें दूसरों से अलग खड़ा करती है। अभिनेत्री ने हाल ही में इस साल कान्स में अपने डेब्यू के लिए प्रभावशाली नैंसी त्यागी की सराहना करने के लिए सोशल मीडिया का सहारा लिया। सोनम कपूर ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर नैंसी त्यागी का वीडियो शेयर किया। क्लिप के साथ उन्होंने कैप्शन में लिखा, ''कान्स में बेस्ट आउटफिट...मुझे कुछ बनाओ@nancytyagi''। फैशन इन्फ्लुएंसर ने भी जवाब दिया और लिखा, "बहुत बहुत धन्यवाद @sonamkapoor। किसी दिन आपके लिए कुछ विशेष बनाना अद्भुत होगा!" इस बीच, काम के मोर्चे पर, सोनम कपूर को हाल ही में ब्लाइंड नामक एक क्राइम थ्रिलर फिल्म में देखा गया था। फिल्म एक पूर्व पुलिस अधिकारी जिया सिंह की कहानी बताती है, जिसे एक अजनबी पर संदेह हो जाता है और वह तुरंत अधिकारियों को सचेत कर देती है। हालाँकि, जब उसकी प्रवृत्ति को नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो वह सत्य की खोज में निकल पड़ती है। शोम मखीजा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पूरब कोहली, विनय पाठक और लिलेट दुबे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। बता दें, नैन्सी त्यागी ने हाल ही में सबसे प्रतिष्ठित कार्यक्रम, कान्स फिल्म फेस्टिवल में खुद को प्रस्तुत करके सभी का दिल जीत लिया है और भारत को गौरवान्वित किया है। इवेंट में उनकी दूसरी पोशाक ने सबका ध्यान खींचा और शहर में चर्चा का विषय बन गई। तस्वीरों के साथ, उन्होंने लिखा, "कान्स फिल्म फेस्टिवल से मेरा दूसरा पहनावा, जिसे मैंने एक विशेष कार्यक्रम में पहना था, पूरी तरह से मेरे द्वारा बनाई गई एक और रचना है। यह पहनावा जटिल हाथ की कढ़ाई वाली एक साड़ी है। हर टुकड़ा मेरे द्वारा सावधानीपूर्वक तैयार और इकट्ठा किया गया था। इस बीच, काम के मोर्चे पर, सोनम कपूर को हाल ही में ब्लाइंड नामक एक क्राइम थ्रिलर फिल्म में देखा गया था। फिल्म एक पूर्व पुलिस अधिकारी जिया सिंह की कहानी बताती है, जिसे एक अजनबी पर संदेह हो जाता है और वह तुरंत अधिकारियों को सचेत कर देती है। हालाँकि, जब उसकी प्रवृत्ति को नजरअंदाज कर दिया जाता है, तो वह सत्य की खोज में निकल पड़ती है। शोम मखीजा द्वारा निर्देशित इस फिल्म में पूरब कोहली, विनय पाठक और लिलेट दुबे भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं।

गलती से खरीद लाएं कच्चा खरबूजा? इन ट्रिक्स से चुटकियों में बनाएं पका हुआ और मीठा

नारी डेस्करू गर्मियों की तेज धूप में ताजे रसीले फल खाने का मन करता है। तरबूज के अलावा खरबूज भी इन दिनों बाजार में खूब बिक रहे हैं। इससे तासीर ठंडी होती है और ये शरीर को कूल बनाए रखने में मददगार है। यहां तक तो सब ठीक है, मूड तब खराब हो जाता है जब आप खरबूजे को काटें और ये कच्चा निकले। जी हां, ऐसा कई बार होता है, लेकिन टेंशन लेने की जरूरत नहीं है। यहां पर हम आपसे कुछ किचन टिप्स शेयर करेंगे, जिससे ये चुटकियों में पक्के और मीठे हो जाएंगे।

पेपर बैग

अक्सर घर का राशन डिलीवरी करते वक्त बैग्स की घर में भरमार हो जाती है। बस इसी का इस्तेमाल करते हुए आप खरबूजे को पका सकते हैं। इसके लिए सबसे पहले इस बैग में 2 छोटे छेद कर लीजिए और फिर उसमें अच्छे से खरबूजे को पैक कर दीजिए और इस बैग को किसी गर्म पर रखें। इससे ये जल्दी पक जाएंगे।

एथिलीन रिलीज करने वालों को साथ रखें

एथिलीन ऐसा हार्मोन है जो फलों और सब्जियों को जल्दी पका देता है। अगर आप खरबूजे को जल्दी पकाना चाहते हैं तो उसे एथिलीन छोड़ने वाले फलों जैसे सेब, केले और कागज से लपेटकर रख दें।

पेपर टॉवल

खरबूजे को पकाने के लिए आप उसे पेपर टॉवल या अखबार में लपेटकर रखें। ये ट्रिक फलों को चारों ओर से एथिलीन गैस बनाकर अतिरिक्ति नमी देगी जिससे फल जल्दी पक जाएगा।

ऐसे पहचानें मीठे खरबूजे

1. खरबूज की बाहरी छिलके को देखकर उसके मीठे होने की पहचान बड़ी आसानी से हो जाती है। मीठे खरबूजे के ऊपर बहुत ज्यादा जाली नुमा लाइनें बनी हुईं होती है। जबकि कम मीठे खरबूज में लाइनें कम और पीलापन और चिकना होता है।

2. मीठे खरबूजे की बाहरी परत पर हरी धारियां बनी हुई होती हैं, जबकि खरबूजे की बाहरी परत पर अगर पीलापन लिए हुए हो तो वह कम मीठा होता है।

3. बाजार से खरबूज खरीदते वक्त उन्हें सूंघे जरूर। खरबूजा मीठा होगा तो उससे बेहद अच्छी सुगंध आएगी, जबकि कम मीठे खरबूजे से कम खुशबू आएगी।

ब्रेकफास्ट में इन चीजों के सेवन से कम होगा दिल संबंधी बीमारियों का खतरा, रहेंगे हेल्दी

आज के समय में लोगों को हार्ट डिजीज का खतरा बढ़ता जा रहा है। बता दें कि हार्ट प्रॉब्लम बढ़ाने का सबसे बड़ा और मुख्य कारण हाई कोलेस्ट्रॉल का होना है। ऐसे में कहीं कोलेस्ट्रॉल आपकी जिंदगी में हावी न हो जाए। इसके लिए बचाव करना बेहद जरूरी हैं। लेकिन इससे पहले आपको यह समझना होगा कि कोलेस्ट्रॉल क्या है। क्योंकि जब आप यह जान पाएंगे, तभी आप अपने लिए सही डाइट का चुनाव कर पाएंगे। कोलेस्ट्रॉल एक वैक्सी सब्सटांस की तरह होता है, जो लिवर द्वारा निर्मित होता है। जब शरीर में कोलेस्ट्रॉल का लेवल बढ़ जाता है, तो फैटी डिपोजिट आर्टरीज में बनने लगते है। जिसके बाद शरीर के विभिन्न अंगों में ब्लड सर्कुलेशन में रुकावट होने लगती है। जो आगे चलकर हार्ट अटैक और स्ट्रोक की वजह बन सकता है। शरीर में हाई कोलेस्ट्रॉल बढ़ने का सबसे बड़ा कारण हमारा गलत खानपान होता है। इससे बचाव के लिए आपको अपनी डाइट में उन चीजों को शामिल करना चाहिए, जो बॉडी में बैड कोलेस्ट्रॉल के लेवल को बढ़ने न दें। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि आपको सुबह कैसा नाश्ता करना चाहिए, जिससे की शरीर में कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल में रहे।

ओट्स

आपके हार्ट और ओवरऑल हेल्थ के लिए ओट्स सबसे अच्छा नाश्ता है। इसमें फाइबर की अच्छी मात्रा पाई जाती है और इसमें सॉल्युबल फाइबर होता है। जो डाइजेस्टिव ट्रैक्ट में मौजूद एलडीएल कोलेस्ट्रॉल से अटैच हो जाता है। जिससे आपके शरीर से बैड कोलेस्ट्रॉल आसानी से बाहर निकल जाता है।

व्होल ग्रेन सैंडविच

ब्रेकफास्ट के लिए व्होल ग्रेन सैंडविच भी अच्छा ऑप्शन हो सकता है। व्होल ग्रेन सैंडविच में लो कैलोरी, हाई फाइबर और विटामिन जैसे कई पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो वेट घटाने में भी मदद करते हैं। ऐसे में इसके सेवन से आपके शरीर को कई फायदे मिल सकते हैं।

आलमंड मिल्क

आपकी सेहत के लिए बादाम का दूध एक अच्छा ऑप्शन है। आलमंड मिल्क में फाइबर, हेल्दी फैट्स, मैग्नीशियम और विटामिन ई की पर्याप्त मात्रा पाई जाती है। इसमें मौजूद पोषक तत्व एलडीएल कोलेस्ट्रॉल के लेवल को कम कर सकते हैं और दिल की बीमारी से आपको बचाते हैं।

योगर्ट विद फ्रूट

सुबह के नाश्ते में फ्रूट्स के साथ योगर्ट का सेवन करना फायदेमंद होता है। इसके लिए आपको लो फैट योगर्ट में फलों को काटकर मिक्स करना होता है। यह प्रोबायोटिक्स का अच्छा सोर्स माना जाता है। जो आपके पाचन को सुधारने के साथ कोलेस्ट्रॉल को कम करने में मदद करता है।

मूंगफली

आपको बता दें कि मूंगफली में मोनोअनसैचुरेटेड्स और पोलीअनसैचुरेटेड्स फैट पाया जाता है।

रोज साइकिल चलने से फिजिकल ही नहीं मेंटल हेल्थ भी होती है बेहतर

साइकिल चलाना सिर्फ एक एक्टिविटी ही नहीं है बल्कि ये हमारी सेहत के लिए बेहद लाभदायक भी होती है। अगर आप हमेशा फिट रहना चाहते हैं तो डॉक्टर भी रोजाना साइकिल चलाने की सलाह देते हैं। इसकी मदद से कई तरह की सेहत से जुड़ी परेशानियों को रोका या कंट्रोल किया जा सकता है, जैसे वजन कम करने, कोलेस्ट्रॉल कम करने और हड्डियों को मजबूत बनाना आदि शामिल हैं। सिर्फ यही नहीं बल्कि साइकिल चलाना शारीरिक और मानसिक दोनों तरह से स्वस्थ लाइफ देने में भी मदद कर सकता है। साइकिल चलाना एक कम प्रभावशाली एरोबिक व्यायाम है जो ढेर सारे लाभ प्रदान करता है। इसी के साथ चलिए अब हम आपको इसमे होने वाले अन्य फायदों के बारे में बताते हैं और इसी के साथ साइकिल चलाते समय ध्यान में रखी जाने वाली सावधानियों के बारे में भी जानते हैं।

साइकिल चलना के फायदे

1. वजन कम करने में मदद मिल सकती है

आज कल वजन बढ़ने की समस्या काफी आम है, लेकिन इस वजह से कई बीमारियों का सामना करना पड़ सकता है, जैसे मोटापा, डायबिटीज आदि। इसमें साइकिलिंग करना काफी लाभदायक हो सकता है। साइकिल चलाते वक्त हमारी बॉडी की कैलोरी बर्न होती है, जिस वजह से शरीर में एक्स्ट्रा फैट स्टोर नहीं होता और वजन बढ़ने की समस्या कम होती है।

2. जोड़ो के लिए फायदेमंद

हैवी वर्क आउट करने की वजह से हमारे जोड़ों पर काफी जोर पड़ता है और इस कारण से नी इंजरी का खतरा रहता है, लेकिन साइकिलिंग करने से आपकी घुटनों पर अधिर प्रेशर नहीं पड़ता और एक्सरसाइज भी हो जाती है। इसे चलाने से हमारे जॉइंट्स मजबूत होते हैं।

3. शुरुआती लोगों के लिए साइकिल चलाना अच्छा है

यदि आप फिटनेस में नए हैं या किसी चोट या बीमारी से उभर रहे हैं, तो आप धीरे–धीरे साइकिल चला सकते हैं। जैसे–जैसे आप अधिक फिट होते जाते हैं, आप तीव्रता बढ़ा सकते हैं या धीमी गति से साइकिल चलाना जारी रख सकते हैं।

4. साइकिल चलाने से कोलेस्ट्रॉल कम हो सकता है

साइकिल चलाने से कोलेस्ट्रॉल के स्तर में भी सुधार होता है। जो आपके हृदय स्वास्थ्य को बढ़ावा दे सकता है और स्ट्रोक और दिल के दौरे की संभावना को कम कर सकता है।

5. मेंटल हेल्थ बेहतर रहती है

रोज थोड़ी देर साइकिलिंग करने से आपकी मेंटल हेल्थ दुरुस्त बन सकती है। साइकिल चलाने से माइंड रिलैक्स होता है और स्ट्रेस, एंग्जायटी जैसी परेशानियां कम होती हैं। दरअसल, साइकिलिंग एक तरह की एक्सरसाइज होती है, जिस वजह से दिमाग हैप्पी हार्मोन्स रिलीज करता है। इससे आपका तनाव कम होता है और आपका मूड भी बेहतर होता है।

6. साइकिल चलाने से आपकी सुबह की सकारात्मक शुरुआत हो सकती है

साइकिल चलाने जैसी स्वस्थ गतिविधि के साथ अपने दिन की शुरुआत करने से आपका खुश और फिट रह सकते हैं। यही नहीं इससे आपका पूरा दिन भी बेहद अच्छा हो सकता है।

7. साइकिल चलाना पर्यावरण के अनुकूल है

साइकिल चलाना उन परिवहन विकल्पों का एक बेहतरीन विकल्प है, जिनमें लंबे समय तक ट्रैफिक में बैठना पड़ता है। यह विशेष रूप से तब उपयोगी होता है जब आप ऐसी जगहों पर जा रहे हों जो पैदल चलने के लिए बहुत दूर हों, लेकिन आप कार नहीं लेना चाहते। इससे किसी प्रकार का वातावरण में प्रदूषण भी नहीं होता।

8. हृदय रोग का खतरा कम हो सकता है

साइकिल चलाना आपकी हृदय गति को बढ़ाने, हृदय संबंधी कार्यप्रणाली में सुधार करने और आपके समग्र फिटनेस स्तर को बढ़ाने का एक शानदार तरीका है।2019 की समीक्षा के नतीजे बताते हैं कि साइकिल चलाना हृदय रोग के कम जोखिम से जुड़ा है।

साइकिल चलाते समय रखें अपनी सुरक्षा ध्यान

– यातायात नियमों का सदैव पालन करें। चौराहों और व्यस्त इलाकों से गुजरते समय सावधानी बरतें। हमेशा हेलमेट भी पहनें।

– ढीले कपड़े पहनने से बचें जो आपकी बाइक की चेन में फंस सकते हैं। रात के समय या सुबह सूरज उगने से पहले साइकिल चलाने के लिए बाइक लाइट और रिफ्लेक्टिव गियर का उपयोग करें।

–खराब मौसम भी बाधा बन सकता है। ऐसे दिनों में जब बाहर साइकिल चलाना संभव न हो, आप स्थिर बाइक चला सकते हैं या कोई अन्य वाहन चुन सकते हैं।

–यदि आपको दर्द, चोट, थकान या मांसपेशियों में दर्द का अनुभव हो तो ब्रेक लें।

शादी के बाद ससुराल में पहनें ऐसे डिजाइन वाले सूट, देखने वाले भी करेंगे आपकी तारीफ

शादी के बाद बहुत सारी लड़कियां साड़ी तो कई लड़कियां कंफर्टेबल रहने के लिए सूट पहनना पसंद करती हैं। वहीं अगर आपकी भी हाल–फिलहाल में शादी हुई है और आपके ससुराल में भी शादी के बाद सूट पहनने की इजाजत है। तो आप भी स्टाइलिश और कंफर्टेबल लुक पाने के लिए सूट डिजाइन को कैरी कर सकती हैं। यह सूट हैवी भी लगेंगे, जो आपको नई दुल्हन का लुक देने में मदद करेंगे। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको कुछ इस तरह के डिजाइन वाले सूट के बारे में बताने जा रहे हैं, जिनको कैरी करने के बाद आप कंफर्टेबल रहेंगी और लोग आपके सूटों की तारीफ भी करेंगे।

सिल्क प्रिंटेड कुर्ता ट्राउजर सेट

अगर आप फैंसी के साथ आरामदायक सूट के लिए नए डिजाइन का ऑप्शन सर्च कर रही हैं, तो आपको सिल्क प्रिंटेड कुर्ता ट्राउजर सेट अपने वॉर्डरोब में शामिल कर सकती हैं। इसका कपड़ा सिल्क का होता है। लेकिन इसमें एम्ब्राइडरी कम की जाती है। इस सूट में आपको सिर्फ नेकलाइन पर वर्क मिलेगा। जिससे सूट हैवी नजर आएगी और दुपट्टा हैवी डिजाइन का मिलेगा। इससे सूट के साथ आपका लुक भी खिलकर आएगा। आप चाहें तो मार्केट से सूट का कपड़ा लेकर भी इसको बनवा सकती हैं। या मार्केट से रेडीमेड भी ले सकते हैं। मार्केट में आपको 500–1000 रुपए तक में इस तरह का सूट मिल जाएगा।

प्लाजो कुर्ता सेट

कई लड़कियों को लैगिंग या फिर पैंट पहनने में दिक्कत होती है। तो ऐसे में आप ससुराल में पहनने के लिए प्लाजो कुर्ता सेट भी ले जा सकती हैं। इस तरह के हैवी वर्क वाले सूट आपको मार्केट में 1000–2000 रुपए के बीच में मिल जाएंगे। अगर आप गोटा या फिर जरी वर्क वाला सूट खरीदेंगी, तो आपको अच्छा लुक मिलेगा। इस तरह के सूट में आपको जॉर्जेट का दुपट्टा मिलेगा। इस तरह के सूट के साथ आप हैवी इयररिंग्स और गले में मंगलसूत्र पहनकर अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं।

थ्रेड वर्क अनाकरली सूट सेट

आप चाहें तो ससुराल में पहनने के लिए अनारकली सूट सेट लेकर जा सकती हैं। इस सूट में आपको थ्रेड वर्क से फ्लोरल डिजाइन मिलेगा। इसके साथ आप प्लाजा और दुपट्टा कैरी करें। सूट सिंपल होगा, लेकिन इसकी स्लीव्स और नेकलाइन पर थ्रेड मिलेगा। जिससे सूट का लुक अच्छा लगेगा। इस तरह का सूट मार्केट में आपको 1000–1500 रुपए में मिल जाएंगे।

गर्मियों में ट्राई करें मैंगो कस्टर्ड पुडिंग की ये 20 मिनट की रेसिपी, पेट हो जायेगा कूल-कूल

गर्मी का समय है और हम सभी आम का लुत्फ़ उठाने के लिए तैयार हैं। तो, आप क्या खाएंगे या पीएंगे? मैंगो शेक, मैंगो लेमोनेड या आम पन्ना, ये आम से बनी ड्रिंक्स हैं, जिनका गर्मियों में लुफ्त उठाया जाता है, लेकिन अगर आप आम से बनी कोई चीज़ खाना चाहें तो क्या होगा? क्या कुछ ऐसा है जो आपके मन में आता है? नहीं? ठीक है, कोई नहीं, हम यहाँ एक बहुत ही आसान और 20 मिनट में बनकर तैयार होने वाली रेसिपी लेकर आए हैं, जिसका नाम 'मैंगो कस्टर्ड पुडिंग' है। ये पुडिंग गर्मी में आपके पेट को ठंडा–ठंडा कर देगा।

मैंगो कस्टर्ड पुडिंग बनाने के लिए क्या सामग्री चाहिए?

2 कप दूध, 1/2 कप चीनी, 2 बड़े चम्मच कस्टर्ड पाउडर, 2 पके हुए आम, 1/2 कप ताजा क्रीम या मलाई, 8–10 ब्रेड स्लाइस और आखिर में 8–10 बादाम, पिस्ता जैसे ड्राई फ्रूट

मैंगो कस्टर्ड पुडिंग बनाने की विधि

सबसे पहले एक पैन लें और उसमें दूध डालें। दूध में उबाल आने पर चीनी डाल दीजिए। एक बाउल में अलग से कस्टर्ड पाउडर और दूध मिलाकर घोल बना लें। फिर उबलते दूध में लगातार हिलाते हुए धीरे–धीरे घोल डालें। दूध को 5 मिनट तक पकाएं जब तक कस्टर्ड पाउडर पक न जाए और दूध थोड़ा गाढ़ा न हो जाए। अब इसे कमरे के तापमान तक ठंडा होने दें। पके हुए आमों को छीलकर काट लीजिए और टुकड़ों की प्यूरी बना लीजिए। कमरे के तापमान वाले कस्टर्ड में प्यूरी डालकर अच्छी तरह मिला लें।

कस्टर्ड में ताज़ी क्रीम डालें, अच्छी तरह मिलाएँ और एक तरफ रख दें। 10 ब्रेड स्लाइस लें और उनके किनारे काट लें। बेकिंग ट्रे पर इन स्लाइस की एक परत फैलाएं। इसके ऊपर कस्टर्ड मिश्रण की एक परत लगाएं। इसके ऊपर कुछ कटे हुए ड्राई फ्रूट्स छिड़कें। ब्रेड, कस्टर्ड और ड्राई फ्रूट्स की परतें दोहराएं। तीन से चार घंटे के लिए फ्रिज में रखें। आम के टुकड़ों से सजाइये। ठंडा परोसें और आनंद लें।

अपर जिला जज ने वृद्वा आश्रम शिशु गृह सहित वन स्टाप सेन्टर का किया निरीक्षण

प्रतापगढ । उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के आदेशानुसार चिलबिला महुली स्थित शिवा ग्रामोधोग सेवा संस्थान द्वारा संचालित वृद्वा आश्रम एवं वन स्टाप सेंटर सहित शिशु गृह का अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार ने औचक निरीक्षण किया। वृद्वा आश्रम में उपस्थित वृद्वजनों को उनके अधिकारो सम्बन्धित विधिक जानकारी देते हुए जागरूक किया । इस अवसर पर अपर जिला जजध् सचिव सुमित पंवार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने वृद्वा आश्रम में रह रहें वरिष्ठ नागरिकों से उनकी समस्याओं की जानकारी ली और आश्रम की साफ सफाई हेतु प्रबन्धक को निर्देशित किया कि प्रत्येक दिन परिसर की साफ सफाई एवं रसोईघर तथा हाल में फिनायल से पोछा लगवाया जाये हाल और रसोई सहित पूरे परिसर को स्वच्छ रखने की व्यवस्था सुनिश्चित की जाये। सचिव द्वारा वहा रह रहे संवासियों के स्वास्थ्य के संबंध में भी प्रबन्धक से जानकारी ली गई और उन्हे निर्देशित किया कि समय–समय पर संवासियों का स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाये। इस अवसर पर सचिव सुमित पवार द्वारा वरिष्ठ नागरिकों को उनके अधिकारो के प्रति जागरूक किया गया, उन्होने वरिष्ठ नागरिकों को जागरूक करते हुए कहा कि 60 वर्ष से अधिक उम्र के व्यक्तियों को सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित करने के लिए कानून बनाया गया हैं। इसका लाभ आप लोगो को लेना चाहिए। विश्वनाथ प्रसाद त्रिपाठी पैनल एडवोकेट ने माता– पिता एवं वरिष्ठ नागरिक का भरण पोषण एवं कल्याण अधिनियम 2007 में दी गयी व्यस्थाओं के प्रति जागरूक करते हुए कहा कि किसी भी माता पिता या वरिष्ठ नागरिक को कोई समस्या उसके परिजनों द्वारा उत्पन्न की जाए तो उसकी सीधी शिकायत सम्बन्धित उपजिला मजिस्ट्रेट से करनी चाहिए।

इस अवसर पर प्रबन्धक द्वारा जानकारी दी गयी कि वृद्वा आश्रम में कुल पंजीकृत 82वृद्व है, जिनमे आज कुल 58 वृद्धजन उपस्थित हैं जिसमे 43 पुरूष एवं 15 महिलाएं है। उन्होंने बताया कि आश्रम में सबसे वरिष्ठ नागरिक 102 वर्षीय जयराम बाबा का आज जन्मदिन है इसकी जानकारी होने पर सचिव ने उनके पास पहुंचकर उन्हें जन्मदिन की शुभकामनाएं दिया। प्रबन्धक द्वारा जानकारी दी गयी कि वृद्वा आश्रम में रह रहें संवासियों को दोपहर का भोजन 12 बजें व शाम का भोजन 07 बजे दिया जाता हैं इसी प्रकार सुबह का नाश्ता प्रातः 7.30 बजे व शाम का नास्ता दिन में 03 बजें दिया जाता है। प्रत्येक दिन के भोजन व नाश्ते का मीनू अलग–अलग होता है। मीनू के अनुसार नाश्ता व भोजन दिया जाता हैं। संवासियों से यह पूछे जाने पर कि उन्हे वृद्धाश्रम में कोई समस्या तो नही, इस पर उन्होने कहा कि वृद्धाश्रम में उन्हे कोई समस्या नही है। उन्हे समुचित रूप से खाना–पीना दिया जाता है व आवश्यकता होने पर उनका दवा ईलाज भी कराया जाता है। इसी क्रम में आज शुकुलपुर स्थित बाबा राम उदित सेवा संस्थान द्वारा संचालित शिशु गृह का सुमित पंवार अपर जिला जजध्सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने औचक निरीक्षण किया । निरीक्षण के दौरान प्रियंका 10 वर्ष ,सुनील 8 वर्ष ,अंकित 8 वर्ष के कुल तीन बच्चे उपस्थित मिले । सह प्रभारी अरविन्द कुमार मिश्र ने बताया कि शिशु गृह में शून्य से 10 वर्ष के अनाथ और लावारिस मिले हुए बच्चों को बाल कल्याण समिति के आदेश से रखा जाता है। यह शिशु गृह वर्ष 2018 से चल रहा है। यहां से अब तक कुल 43 बच्चों का नियमानुसार दत्तक ग्रहण किया जा चुका है, जिसमें से 8 बच्चो का दत्तक ग्रहण विदेश के लोगों ने किया है , उन्होंने बताया कि दत्तक ग्रहण की प्रक्रिया ऑन लाइन होती है । निरीक्षण के दौरान राजेश शुक्ला , प्रतिमा पांडेय, उत्कर्ष अनुपस्थित पाए गए । इस अवसर पर सचिव ने समय समय पर बच्चों का परीक्षण कराने का निर्देश दिया गया । इस अवसर पर पैनल एडवोकेट विश्वनाथ त्रिपाठी, सह प्रभारी अरविन्द कुमार मिश्र , श्रेया श्रीवास्तव आदि मौजूद रहे।

इसी क्रम में भोलियापुर स्थित सखी वन स्टाप सेन्टर का भी निरीक्षण सचिव द्वारा किया गया। इस मौके पर सेन्टर मैनेजर नीरजा कुमारी ने बताया कि सेन्टर पर 8 कर्मचारियों की तैनाती है सेन्टर की सुरक्षा हेतु महिला सिपाहियों की ड्यूटी लगती है। यह सेन्टर 26 जुलाई 2019 से संचालित हो रहा है , अब तक कुल 636 पीड़िता को मदद दी जा चुकी है । यहां कुल 5 बेड की व्यवस्था है , निरीक्षण के समय कोई पीड़िता नहीं थी । सेन्टर के निकट पुलिस चौकी स्थापित की गई है। बताया गया कि महिला थाने पर पीड़िता की रिपोर्ट अंकित की जाती है। निरीक्षण के समय नीरजा कुमारी, रश्मि सिंह ,आकाश श्रीवास्तव , रवींद्र कुमार सिंह सेन्टर पर उपस्थित मिले।

सीएमपी कॉलेज में एनसीसी–बी सर्टिफिकेट वितरण समारोह

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज में एनसीसी–बी सर्टिफिकेट वितरण समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि छठी यूपी गर्ल्स बटालियन एडमिन ऑफिसर मेजर फाहा डीबा थीं। उन्होने गर्ल्स कैडेट्स के समर्पण और कर्मठता की भूरि–भूरि प्रशंसा की। उन्होने आशा व्यक्त की कि आने वाले समय में भी कैडेट्स अपने

अनुशासन और कुशलता से समाज में सकारात्मक योगदान करेंगे। कॉलेज के प्रिंसिपल प्रो. अजय प्रकाश खरे ने अपने उद्बोधन में कैडेट्स का उत्साह वर्धन किया। कार्यक्रम में सुबेदार मेजर हरविंदर सिंह, एकेडीसी की लेफ्टिनेंट दीपशिखा, एसएमपीपीएस की नेहा श्रीवास्तव, जगत तारन की सीटीओ डॉ नम्रता देब, जीसीआई मंजू सिंह, हवलदार ऋतुराज और एनसीसी ऑफिस इंचार्ज राजकुमार उपस्थित थे। समारोह पौध वितरण के साथ आरंभ हुआ। कार्यक्रम में 11 कॉलेजों के कुल 256 गर्ल्स कैडेट्स को बी–सर्टिफिकेट प्रदान किया गया। इस दौरान पूरे कॉलेज में उत्साह और उमंग का वातावरण देखा गया। समारोह का आयोजन सीएमपी कॉलेज की सीटीओ डॉ रंजना तिवारी ने किया था।

25 मई को करे शत प्रतिशत मतदान : एनयूजे जिला अध्यक्ष

एनयूजे प्रयागराज जिला इकाई ने जिलेभर मे बैनर लगाकर मतदाताओ से की अपील

प्रयागराज स मतदाता जागरूकता अभियान के अन्तर्गत आज नेशनल यूनियन ऑफ जर्नलिस्ट की प्रयागराज जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव के नेतृत्व मे प्रयागराज शहर के प्रमुख चौराहो पर

बैनर लगाकर लोकतंत्र के महापर्व लोकसभा चुनाव 2024 के छठे चरण के 25 मई के होने वाले मतदान मे प्रयागराज जनपद वासियो से शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की ।

जिला अध्यक्ष कुन्दन श्रीवास्तव ने बताया कि संगठन ने प्रयागराज शहर के प्रमुख स्थलो तथा प्रमुख बाजारो मे प्रमुख बाजार चौक शहर के हद्रय स्थल सुभाष चौराहा बिजली घर चौराहा राजरूपपुर लखनऊ प्रयागराज नेशनल हाइवे तथा अन्य स्थानो पर बैनर लगाकर शत प्रतिशत मतदान करने की अपील की ।

अपना वतन नहीं है

अपने ही गाँव घर में, अपनी शरण नहीं है,
लगता वतन ये अपना, अपना वतन नहीं है,
बाहर बसे लुटेरे, घर में घुसे लुटेरे,
भय से भरा है जीवन, उन्मुक्त मन नहीं है।

जाना कहीं है मुश्किल, आना कहीं है मुश्किल,
असवाब सा लुटोगे, ढँकने को तन नहीं है,
हवालों का घर यही है, घोटालों का घर यही है,
कैक्टस भरा है गुलशन, कोई सुमन नहीं है।

आदमी है बेसहारे, रोते बने बेचारे,
रक्षक बना है भक्षक, प्यारा स्वजन नहीं है,
जीना मुहाल देखो, मरना मुहाल देखो,
बेचैनियों की दुनिया कहीं अमन नहीं है।

इंसान जो सही है सबसे दुखी वही है,
कैसे बचेंगे? दुख से, कोई जतन नहीं है,
पलटन, पुलिस, प्रशासन सबमें है खोखलापन,
कुछ कर नहीं ये पाते, विषधर का फन नहीं है।

कहने को मुक्त हैं हम, लेकिन हजारों हैं गम,
आजाद हो के हमको, सुकुनो अमन नहीं है,
किससे कहोगे सदमा, अपना है आज सपना,
इंसानियत का लगता, बिल्कुल चलन नहीं है।

जग जाओ हिंद वालों, अपने को अब संभालो,
मिटाओ दरिंदगी को, मिथ्या कथन नहीं है,
संघर्ष से जुड़ो तुम, सुरक्षा के हित लड़ो तुम,
इसके बिना तुम्हारा, आसां जीवन नहीं है।

(राजेश ओझा 'धर्मशील', वाराणसी)

सीएमपी डिग्री कश्वलेज में विश्व जैव विविधता दिवस के मौके पर छात्रों को किया गया जागरूक

प्रयागराज। सीएमपी डिग्री कॉलेज के वनस्पति विज्ञान विभाग की ओर से आज विश्व जैव विविधता दिवस के उपलक्ष में विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जिसमें एमएससी व बीएससी के बच्चों द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रमों जैसे पोस्टर मेकिंग कम्पटीशन, ओरल प्रेजेंटेशन, निबंध लेखन तथा प्लांट आइडेंटिफिक्शन में भाग लिया गयाद्य प्राचार्य डॉ अजय प्रकाश खरे ने जैव विविधता के बारे मे बच्चों को बताया

द्य डॉ. सरिता श्रीवास्तव ने भी बच्चों की सराहना की स डॉ. दीपक कुमार गोंड ने वर्ल्ड बायोडाइवर्सिटी डे के थीम "बी पार्ट ऑफ द प्लान" के बारे मे बतायाद्य उपरोक्त कार्यक्रमों मे ओरल प्रेजेंटेशन मे प्रथम स्थान रौनक को, द्वितीय स्थान हर्षि अग्रवाल एवं सुधांशु शुक्ला, तृतीय स्थान नर नारायण को दिया गयास निबंध लेखन मे प्रथम स्थान श्वेता मिश्रा एवं अनुराग मिश्रा, द्वितीय स्थान अंजली शर्मा एवं स्मृति प्रभा साहू और तृतीय स्थान खुशबू गिरी को दिया गयास पोस्टर प्रेजेंटेशन मे प्रथम स्थान रूचि त्रिपाठी, द्वितीय स्थान आकांक्षा भारतीय एवं अंकिता कुशवाहा और तृतीय स्थान हर्षि अग्रवाल एवं अफसाना को दिया गयास प्लांट आइडेंटिफिक्शन मे प्रथम स्थान अंकिता कुशवाहा एवं अनुराग मिश्रा, द्वितीय स्थान श्वेता मिश्रा एवं रौनक गुप्ता, तृतीय स्थान रूचि त्रिपाठी को दिया गया।

इस मौके पर वनस्पति विज्ञान विभाग में सीएमपी डिग्री कॉलेज के प्राचार्य प्रोफेसर अजय प्रकाश खरे, विभागध्यक्ष डॉ. सरिता श्रीवास्तव, डॉ दीपक कुमार गौड़, डॉ आलोक कुमार सिंह, डॉ. यशवंत कुमार, डॉ संजय सिंह, डॉ. विजय प्रताप सिंह, डॉ मंजू श्रीवास्तव उपस्थित रहेस फिजिक्स विभाग के डॉ. रोहित कुमार, डॉ. अतुल तथा केमिस्ट्री विभाग की डॉ. बबिता अग्रवाल, डॉ. विशाल कुमार, शोध छात्र स्वप्निल आनंद, रूचि मणि, राहुल सोनी, स्वीटी साहू मौजूद रहे।

छीबों में भगवत कथा के सातवें दिन बोले कथा व्यास

ईश्वर को भूलने का द्योतक है जीवन में दुःख का उदगम ---विनय कृष्ण शास्त्री

रामनगर /चित्रकूट । कथा महोत्सव के तत्वाधान में ग्राम पंचायत छीबों में रामअभिलाष सिंह के आवास में आयोजित संगीत मयी भागवत कथा में रेरुवा से पधारे कथा व्यास विनय कृष्ण शास्त्री ने विदुषी लालती देवी सेवानिवृत शिक्षिका पत्नी राम अभिलाष सिंह को श्रोता बनाकर श्री मद भागवत महापुराण की पावन अमृत मयी कथा का रसपान करा रहे हैं।

कथा के सातवें व अंतिम दिवस की कथा में कथा व्यास विनय कृष्ण शास्त्री ने भगवान श्री कृष्ण के पावन चरित्र का निरुपण करते हुए नवधा भक्ति का विश्लेषण करते हुए भीष्मक चरित्र जाम्बवती विवाह सत्यभामा विवाह के साथ ही भगवान श्री कृष्ण के विवाह की कथा को संक्षिप्त रूप से निरुपण किया।

साथ ही कथा व्यास ने श्रीकृष्ण के सोलह हजार विवाह की कथा को भी संक्षेप में सुनाया

कथा के अनुक्रम में कथा व्यास ने बताया कि भगवान के चरित्र को अपने जीवन में यदि समझने का प्रयास किया जाए तो सीख मिलती है कि कभी भी जीवन के दुखों से विचलित नहीं होना चाहिए जीवन में विपत्ति के आने पर ही व्यक्ति के धैर्य की परीक्षा की शुरुआत होती है।

कथा व्यास ने विप्र सुदामा व भगवान श्री कृष्ण की मित्रता की विहंगम कथा को भी विस्तार से परिभाषित किया।

इस संगीत मयी कथा में चित्रकूट के ख्याति प्राप्त तुलसी गौरव से सम्मानित मशहूर संगीतकार व गायक शिवमोहन विश्वकर्मा ने अपने सुमधुर भजनों से उपस्थित श्रोताओं को भावविभोर कर रहे हैं इस दौरान तबले पर तीरथ भाई ने संगत की।

इस कथा में आचार्य प0गणेश दत्त द्विवेदी आचार्य के रूप में पूजन कार्य सम्पन्न करा रहे हैं वरिष्ठ आचार्य के रूप में कमल लोचन पाण्डेय भागवत पुराण का मूल पाठ कर रहे हैं

इस संगीत मयी कथा की व्यवस्था संजीव सिंह कर रहे हैं तो वहीं इस मनोहारी कथा को सुनने में दलवीर सिंह पुष्प राज प्रकाश सिंह लालबहादुर सिंह समेत तमाम लोग उपस्थित रहे।

डैडी कूल पहल लखनऊ के पिताओं को बदल रही है कूल डैड में

बच्चों की देखभाल में पिता की पारंपरिक भुमिका को बदलने पर जोर

लखनऊ, एजेंसी। नए जमाने के माता–पिता होने की सोच को बढ़ावा देने के लिए, सेसमी वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट पारंपरिक पिता की परिभाषा को बदलने की पूरी कोशिश कर रहा है। संस्था लखनऊ के डालीगंज, लव–कुश नगर और विनायकपुरम इलाकों में अपनी अनूठी पहल डैडी कूल के माध्यम से यह कार्य कर रही है। यह कार्यक्रम पिताओं को बच्चों की देखभाल में ज्यादा सक्रिय भूमिका निभाने के लिए प्रोत्साहित करता है। साथ ही, कार्यशालाओं के माध्यम से यह उन पुरानी सोच को चुनौती देता है जहां सिर्फ महिलाओं को बच्चों की देखभाल के लिए जिम्मेदार माना जाता है। इस तरह यह कार्यक्रम बच्चों के बेहतर विकास में पिताओं की भूमिका को बढ़ावा दे रहा है। कार्यक्रम में लोगों की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए और उन्हें प्रेरित करने के लिए डालीगंज, लव–कुश नगर और विनायकपुरम में सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस कार्यक्रम में, सेसमी मपेट एल्मो ने भी बच्चों, पिताओं और समुदाय के साथ संदेश साझा किया कि कैसे पिता घर पर सरल दैनिक गतिविधियों में भाग लेकर अपने बच्चों के दोस्त बन सकते हैं। इस कार्यक्रम में नगर निगम के प्रतिनिधियों, आशाओं, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, बच्चों और उनके माता–पिता के साथ बड़ी संख्या में प्रतिष्ठित समुदाय के सदस्य शामिल हुए। इस पहल पर अपने विचार बताते हुए एचसीएल फाउंडेशन की वाइस प्रेसिडेंट ग्लोबल सीएसआर, डॉक्टर निधि पुंडीर ने कहा, हम डैडी कूल पहल के जरिए पिताओं को समझाना चाहते हैं कि बच्चों के जीवन में उनकी भागीदारी कितनी जरूरी है। पिता के साथ से बच्चों का स्वास्थ्य और पूरा विकास बेहतर होता है। इस पहल के द्वारा हम पिताओं को अपने बच्चों के साथ समय बिताने की खुशी और सकारात्मक तरीके से बच्चों की परवरिश करने के लिए प्रेरित करना चाहते हैं। सेसमी वर्कशॉप इंडिया ट्रस्ट की मैनेजिंग ट्रस्टी सोनाली खान ने छोटे बच्चों की शिक्षा के महत्व पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि कैसे पिता अपने बच्चे के जीवन में उनका व्यवहार और दृष्टिकोण को संवारने में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने कहा, षपिताओं को अपने बच्चों के साथ समय बिताने और उनकी जिंदगी में शामिल होने के लिए प्रोत्साहित करने से, न सिर्फ बच्चों से रिश्ते मजबूत होते हैं बल्कि उनका सामाजिक और भावनात्मक विकास भी बेहतर होता है। इससे छोटी उम्र से ही लैंगिक रूढ़िवादिता (जेंडर स्टीरियोटाइप्स) को खत्म करने में मदद भी मिलती है। उन्होंने आगे बताया कि, इस पहल के जरिए हम लखनऊ में एक हजार से ज्यादा पिताओं से सीधे जुड़े हैं, और हमने उनके बच्चों की देखभाल के बारे में उनकी सोच में सकारात्मक बदलाव देखा है।

संक्षिप्त

गर्मी का सितम जारी, आने वाले पांच दिनों में और बढ़ेगा तापमान

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश में भीषण गर्मी का सितम जारी है। दोपहर के वक्त पड़ गर्मी ने लोगों का घर से बाहर निकलना मुश्किल कर दिया है। वहीं, आसमान से बरसती आग और गर्म हवा के थपेड़ो से लोगों का हाल बेहाल है। इसी के चलते मौसम विभाग ने गर्मी का रेड अलर्ट जारी कर दिया है। मौसम विभाग की मानें तो आने वाले पांच दिनों में ये गर्मी और भी बढ़ेगी। वहीं, मंगलवार को पूरे प्रदेश में आगरा का तापमान सबसे अधिक 47.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है। मौसम विभाग ने आज 22 मई को प्रदेश के कई इलाको में लू चलने की चेतावनी दी है। लखीमपुर खीरी और फर्रुखाबाद के आस पास के इलाके में रात सर्वाधिक गर्म हो सकती है। मौसम विभाग ने उत्तर प्रदेश के कई जिलों में लू को लेकर अलर्ट जारी कर दिया है। जिनमें शामली, बांदा, मेरठ ,कासगंज, एटा, शाहजहांपुर, बदायूं, चित्रकूट, कौशांबी, सोनभद्र, मिर्जापुर, चंदौली, गाजीपुर, बलिया, गोंडा, बलरामपुर, श्रावस्ती समेत कई अन्य इलाके शामिल हैं। बता दें कि उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में बीते मंगलवार को अधिकतम तापमान 39 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि न्यूनतम तापमान 27.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। वहीं, हरदोई में अधिकतम तापमान 39.5 जबकि न्यूनतम 27.5 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। कानपुर में अधिकतम तापमान 39.8 और न्यूनतम 27.8 डिग्री सेल्सियस, लखीमपुर खीरी में अधिकतम तापमान 37 न्यूनतम 28 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। गोरखपुर में अधिकतम तापमान 37.3 डिग्री सेल्सियस, न्यूनतम 25.3 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। इसी कड़ी में पूरे प्रदेश में आगरा का तापमान सबसे अधिक 47.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया है।

कार से भाग रहे बदमाशों और पुलिस के बीच मुठभेड़, एक पैर में गोली लगने के बाद पकड़ा दूसरा फरार

लखनऊ, एजेंसी। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ के चिनहट इलाके में बुधवार को पुलिस मुठभेड़ के बाद एक हिस्ट्रीशीटर घायल हो गया और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। अपराधी की पहचान नितिन कुंडी के रूप में हुई। हालांकि उसका साथी शेखर कौशल भागने में सफल रहा। पुलिस प्रवक्ता के मुताबिक, नितिन कुंडी के चिनहट के देवा रोड पर आने की सूचना मिली थी। पुलिस ने उनकी कार रोकने की कोशिश की लेकिन उन्होंने स्पीड बढ़ा दी और फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने जवाबी कार्रवाई की और नितिन कुंदी को गोली लग गयी। नितिन कुंडी को राम मनोहर लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फोरेंसिक टीम भी मौके पर पहुंची और बदमाशों की कार से 32 बोर की पिस्टल और कई कारतूस के खोखे बरामद किए। बताया जा रहा है कि पुलिस अब नितिन कुंडी के साथी की तलाश कर रही है। नितिन कुंडी के खिलाफ 8 आपराधिक मामले दर्ज हैं। उसके खिलाफ पहला मामला 2017 में चिनहट पुलिस स्टेशन में दर्ज किया गया था। उसके बाद 2022 में उनके खिलाफ हत्या के प्रयास के एक और मामले के अलावा एससी,एसटी के तहत मामला दर्ज किया गया था।

युवक को बंधक बनाकर पीटा, बाल काटे, 4 पर केस दर्ज, 2 हिरासत में, कोर्ट ने जेल भेजा

लखनऊ, एजेंसी। थाना रहीमाबाद में चार युवकों ने एक युवक कोठरी में बंधक बनाकर पीटा। उसके बाल काटे, बेहोशी की हालत में छोड़कर फरार हो गए। पुलिस ने केस दर्ज कर 2 आरोपियों को हिरासत में लिया है। 2 अन्य की तलाश की जा रही है। पीड़ित की मां ने बताया कि उसका परिवार तिरगांवा में रहता है। उसका बेटा तल्हा अपने फूफेरे भाई फैज के साथ सोमवार की शाम घूमने गया था। गांव के ही रहने वाले तसव्वर खान, हसीन खान, और उसके 2 दोस्त मेरे बेटे से गाली–गलौच किए। वहां से अपने घर की भूसे की कोठरी में ले गए। लाठी डंडों और धारदार हथियार से मारा। मरा जानकर वहां से छोड़कर फरार हो गए। जानकारी के बाद घर वालों ने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने उसे ट्रॉमा सेंटर में भर्ती कराया। जहां उसकी हालत गंभीर बनी हुई है। इधर पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। दो को हिरासत में लिया, 2 की तलाश की जा रही है। दोनों की कोर्ट में पेशी के बाद उन्हें जेल भेज दिया गया।

ठाकुरगंज में 2 बाइक की टक्कर,चौकी प्रभारी ने पहुंचाया अस्पताल

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी के ठाकुरगंज थाना क्षेत्र में मंगलवार देर रात दो बाइको की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गईं। टक्कर लगने से बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पाकर मौके पर पहुंचे पुलिसकर्मियों ने एंबुलेंस की मदद से घायलों के परिजनों को सूचना देने के बाद अस्पताल पहुंचाया, जहां पर उनका इलाज चल रहा हैं। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक, ठाकुरगंज के न्यू विश्वास नगर में रहने वाले अजान मंगलवार रात करीब बारह बजे बाइक से जा रहा था वह अभी मेहंदी घाट के पास पहुंचा ही था कि तभी सामने से आ रही दूसरी बाइक सवार फहाद निवासी बरोरा हुसैनाबादी की आमने–सामने जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर लगने से दोनों बाइक सवार युवक घायल हो गए। मौके पर जुटी भीड़ और स्थानीय निवासियों से सूचना पाकर मौके पर पहुंचे गऊघाट चौकी प्रभारी अभिषेक पांडे ने घायलों को एंबुलेंस की मदद से एरा अस्पताल पहुंचाने के साथ ही उनके परिजनों को सूचना दी। घायलों का इलाज चल रहा हैं। अभी तक इस मामले में किसी पक्ष ने पुलिस को लिखित तहरीर नहीं दी हैं।

प्रवर्तन एजेन्सियों व उड़नदस्तों ने बरामद की अवैध शराब, नकदी

लखनऊ, एजेंसी। प्रदेश के मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि उत्तर प्रदेश में प्रवर्तन एजेन्सियों व उड़नदस्तों द्वारा अवैध शराब, नकदी आदि की जब्ती संबंधी आयोग के निर्देशों का कड़ाई से अनुपालन किया जा रहा है। आबकारी, आयकर, पुलिस एवं नार्कोटिक्स विभाग एवं प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा 01 मार्च से 21 मई तक 49267.08 लाख रुपये कीमत की शराब, ड्रग, बहुमूल्य धातुएं व नकदी आदि जब्त किये गये। इसमें 9186.39 लाख रुपये नकद धनराशि, 5489.44 लाख रुपये कीमत की शराब, 23777.09 लाख रुपये कीमत की ड्रग, 2412.74 लाख रुपये कीमत की बहुमूल्य धातुएं, 5567.16 लाख रुपये कीमत के मुफ्त उपहार एवं 2834.27 लाख रुपये कीमत की अन्य सामग्री जब्त की गयी।

संक्षिप्त

इब्राहिम राईसी के जनाजे में लगे थे सभी, इजरायल ने अचानक कर दी एयरस्ट्राइक, दो लोगों की मौत

हमास से छिड़ी जंग के बीच अब इजरायल ने दक्षिणी लेबनान प्रांत में एक बड़ी स्ट्राइक कर दी है। स्थानीय मीडिया के अनुसार, दक्षिणी लेबनान पर इज़रायली हवाई हमले के परिणामस्वरूप दो लोग मारे गए। लेबनान की आधिकारिक राष्ट्रीय समाचार एजेंसी ने बताया कि एक इजरायली ड्रोन ने ओडाइसेह शहर पर हमला किया, जिससे दो लोगों की मौत हो गई। इसमें कहा गया है कि इजरायली सेना ने दक्षिणी

लेबनान के गांवों और इलाकों पर रात भर भारी गोलाबारी की। हिजबुल्लाह ने बताया कि इजरायली सेना के साथ टकराव में छह लड़ाके मारे गए, जिससे 8 अक्टूबर से अब तक मरने वालों की संख्या 308 हो गई है। हिजबुल्लाह और इजरायली बलों के बीच सीमा पार हमलों के बीच इजरायल के साथ लेबनान की सीमा पर तनाव बढ़ गया है क्योंकि तेल अवीव गाजा पट्टी के खिलाफ घातक हमले के लिए आगे बढ़ रहा है, जिसमें फिलिस्तीनी प्रतिरोध समूह के हमले के बाद अक्टूबर से 35,640 से अधिक लोग मारे गए हैं। 7 अक्टूबर को इज़राइल पर हमास के हमले के साथ एकजुटता दिखाने के लिए हिजबुल्लाह द्वारा इज़राइल की ओर लॉन्च किए गए रॉकेटों की बौछार के बाद, 8 अक्टूबर, 2023 को लेबनान–इज़राइल सीमा पर तनाव बढ़ गया। इसके बाद इज़राइल ने दक्षिणपूर्वी लेबनान की ओर भारी तोपखाने से गोलीबारी करके जवाबी कार्रवाई की। लेबनानी सुरक्षा सूत्रों के अनुसार, हिज़बुल्लाह और इज़राइल के बीच टकराव में लेबनानी पक्ष के 479 लोग मारे गए हैं, जिनमें 303 हिज़बुल्लाह सदस्य और 89 नागरिक शामिल हैं।

संक्रमित रक्त घोटाले के पीड़ितों को इस साल से मिलने लगेगा अंतिम मुआवजा

ब्रिटेन में संक्रमित रक्त 'घोटाले' के पीड़ितों को इस वर्ष से उनका अंतिम मुआवजा भुगतान मिलना शुरू हो जाएगा। सरकार ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सरकार के मुताबिक, सार्वजनिक स्वास्थ्य सेवा द्वारा प्रदान किए गए दूषित रक्त या रक्त उत्पादों से हजारों लोग संक्रमित हुए थे जिसकी क्षतिपूर्ति सरकार करेगी। रिपोर्ट के मुताबिक, ब्रिटेन में, 1970

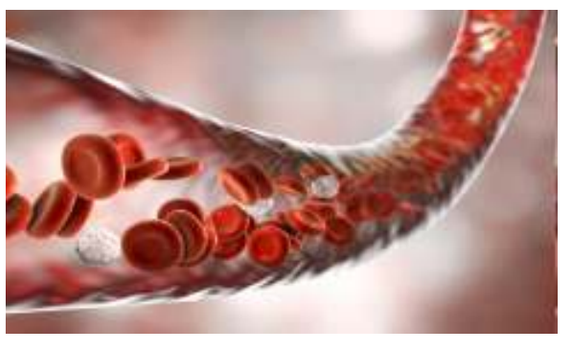

के दशक से लेकर 1990 के दशक के शुरुआती वर्षों तक एचआईवी या हेपटाइटिस से संक्रमित रक्त आधान करने से करीब 3,000 लोगों की मौत हुई। इस प्रकरण को 1948 से ब्रिटेन की सरकार संचालित राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा (एनएचएस) के इतिहास में सबसे घातक आपदा माना जाता है। मंत्रिमंडल कार्यालय के मंत्री जॉन ग्लेन ने मंगलवार को सांसदों से कहा कि वह स्वीकार करते हैं कि ''समय सबसे महत्वपूर्ण है''। उन्होंने घोषणा की कि कई पीड़ितों को पूर्ण भुगतान योजना से पहले, 90 दिन के भीतर 2,10,000 पाउंड का अतिरिक्त अंतरिम मुआवजा मिलेगा। उन्होंने यह भी घोषणा की कि संक्रमित लोगों के दोस्त और परिवार भी मुआवजे का दावा करने के पात्र होंगे। अधिकारियों ने 2022 में प्रत्येक पीड़ित के परिजनों को एक लाख पाउंड का पहला अंतरिम भुगतान किया था। ग्लेन ने मुआवजा पैकेज की कुल लागत की पुष्टि नहीं की, हालांकि यह 10 अरब पाउंड (12.7 अरब डॉलर) से अधिक बताई गई है।

यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर रूस के हमलों के कारण कीब में अंधेरा छाया

यूक्रेन के बिजली ग्रिड पर हाल के सप्ताहों में रूस के लगातार हमलों ने युद्धग्रस्त देश के नेताओं को देशभर में बिजली कटौती करने के लिए मजबूर कर दिया है। रूस मार्च से बिजली ग्रिड पर हवाई हमले कर रहा है जिसके कारण

राजधानी कीव तक में अंधेरा छा गया है। रूस द्वारा अप्रैल में किए हमले में कीव का सबसे बड़ा ताप विद्युत संयंत्र तबाह हो गया था और आठ मई को कई क्षेत्रों में बिजली उत्पादन तथा ट्रांसमिशन सुविधाओं को निशाना बनाते हुए एक बड़ा हमला किया गया था। विदेश मंत्री दिमित्रो कुलेबा ने कहा कि कुल मिलाकर यूक्रेन की आधी ऊर्जा प्रणाली नष्ट हो गयी है। ऊर्जा मंत्री हर्मन हालुश्चेंको ने कहा कि बिजली ग्रिड पर हमले रुकने के आसान न दिखने और हमलों के खिलाफ पर्याप्त रक्षा प्रणाली न होने के कारण बिजली कटौती से अभी कोई राहत नहीं मिलेगी।

आइओवा में चक्रवात का कहर, कई लोगों की गई जान, घर-ईमारतें ध्वस्त, गवर्नर ने घोषित किया आपातकाल

मंगलवार को पश्चिमी आइओवा में बवंडर के कारण कई लोगों की मौत हुई। डेस मोइनेस से लगभग 50 मील दक्षिण पश्चिम में स्थित आयोवा के छोटे शहर ग्रीनफील्ड में यह बवंडर आया। कई घर, इमारत ढेर हो चुके हैं, पेड़ उखड़े पड़े हैं। गवर्नर ने आपातकाल घोषित कर दिया। राहत कार्य के लिए टीम बनाई गई हैं। मंगलवार को आइओवा में आया तूफान मुख्य रूप से आइओवा, उत्तर पश्चिम इलिनोइस, दक्षिण–पश्चिम विस्कॉन्सिन और उत्तरी मिसौरी ज्यादा प्रभावित रहे। आइओवा स्टट पेट्रोल के प्रवक्ता सार्जेंट एलेक्स डिंकल ने बताया कि शाम 5 बजे से पहले एक तूफान से बवंडर शुरू हुआ। जिससे कई सारे लोगों की मौत हुई। कई समाचार पत्रों ने भी प्रकाशित किया कि बवंडर से कई मौतें हुई हैं। ग्रीनफील्ड के कई निवासी घायल हो गए। यहां तक कि एक अस्पताल भी इस बवंडर की चपेट में आ गया। कई चौनल नष्ट हो चुके घर, ध्वस्त हो चुकी इमारतें, मलबों के ढ़ेर, क्षतिग्रस्त वाहन, उखड़े पड़े पेड़ आदि का नजारा दिखा रहे हैं। ग्रीनफील्ड से आधे मील की दूरी पर रहने वाले आइओवा के पूर्व प्रतिनिधि क्लेल बॉडलर ने कहा कि अब कुछ नहीं बचा। वहीं काउंटी मेडिकल परीक्षण लिसा ब्राउन ने पुष्टि की कि डेस मोइनेस से लगभग 90 मील दक्षिण–पश्चिम में एडम्स काउंटी में एक और तूफान आया था। जिससे कई मौतें हुईं। वहीं

तूफान पूर्वानुमान केंद्र के अनुसार मंगलवार को क्षेत्र में आए शक्तिशाली तूफानों में आइओवा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन और इलिनोइस के कुछ हिस्सों के लिए बवंडर घड़ी का संकेत दिया था। बवंडर घड़ी तभी जारी की जाती है, जब लंबे समय तक रहने वाले अधिक शक्तिशाली बवंडर की संभावना का ज्यादा होती है। तूफान के प्रकोप पर आयोव के गवर्नर किम रेनॉल्ड्स ने कहा कि आपातकाल की घोषणा की गई है। जिससे राज्य सहायता की जा सके। उन्होंने बुधवार को सुबह ग्रीनफील्ड का दौरा किया। 90 मील प्रति घंटे की रफ्तार वाले तूफान के कारण कई खतरे पैदा हुए हैं। पूरे क्षेत्र में लगभग 25 मिलियन से अधिक लोग घायल हुए। बवंडर के कारण कितना नुकसान हुआ है, उसका आंकलन किया जा रहा है। प्रभावित लोगों तक पहुंच के लिए सड़कों को साफ करवाया जा रहा है। भारी बारिश के कारण अचानक आई बाढ़ ने आइओवा, मिनेसोटा, विस्कॉन्सिन और नेब्रास्का के कुछ हिस्सों में खतरा पैदा किया। बुधवार को टेक्सास से पश्चिमी न्यूयॉर्क तक 1,500 मील की दूरी पर अतिरिक्त गंभीर तूफान आने की संभावना है। साथ ही विनाशकारी हवाओं, ओलावृष्टि और बवंडर की भी संभावना है।

अमेरिका की नफरत रईसी पर पड़ी भारी, रूस ने बताया जिम्मेदार! कहा- जानबूझकर नुकसान...

19 मई को उत्तर पश्चिमी ईरान में हेलीकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त हो गई।उस हेलीकॉप्टर में ईरान के राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी और विदेश मंत्री अब्दुल्ला हियान बैठे थे। रायसी, ईरानी विदेश मंत्री होसैन अमीराबदोल्लाहियन, दो वरिष्ठ स्थानीय अधिकारियों के साथ–साथ दो गार्ड, दो पायलट और एक चालक दल के सदस्य की मौत हो गई। अब इस घटना पर रूस की तरफ से टिप्पणी सामने आई है। रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने कजाकिस्तान के अस्ताना में शंघाई सहयोग संगठन की मंत्रिस्तरीय बैठक से इतर कहा कि अमेरिकी प्रतिबंधों के कारण दुनिया भर के देशों में विमानन सुरक्षा खराब हो गई है। अमेरिकियों ने इसे अस्वीकार कर दिया है, लेकिन सच्चाई यह है कि जिन अन्य देशों के खिलाफ संयुक्त राज्य अमेरिका ने प्रतिबंधों की घोषणा की है, उन्हें विमानन सहित अमेरिकी उपकरणों के लिए स्पेयर पार्ट्स

नहीं मिलते हैं। रॉयटर्स समाचार एजेंसी के अनुसार रूसी विदेश मंत्री ने कहा कि हम इन वाहनों का उपयोग करने वाले आम नागरिकों को जानबूझकर नुकसान पहुंचाने के बारे में बात कर रहे हैं। जब स्पेयर पार्ट्स की आपूर्ति नहीं की जाती है, तो यह सीधे सुरक्षा के स्तर में कमी से संबंधित है। ईरान 2018 से अमेरिकी प्रतिबंधों के गंभीर शासन के अधीन है, जब एक पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति ईरान के परमाणु कार्यक्रम पर एक अंतरराष्ट्रीय समझौते से हट गए और देश पर प्रतिबंध लगा दिए। प्रतिबंधों ने स्पष्ट रूप से ईरान की स्पेयर पार्ट्स तक पहुंच को प्रतिबंधित कर दिया है, जिससे देश को अपने विमानन बेड़े को उन्नत करने के लिए घरेलू तकनीक पर निर्भर रहना पड़ रहा है। राष्ट्रपति रईसी अमेरिकी हेलिकॉप्टर ठमसस 212 में सवार थे। ईरानी राष्ट्रपति को ले जा रहा ये हेलीकॉप्टर लगभग पांच दशक पुराना था। 1989 की क्रांति के बाद से ईरान को ये हेलीकॉप्टर नहीं बेचे गए थे। ईरान पर लगे अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद इन हेलीकॉप्टर के रखरखाव को लेकर भी कई सवाल उठ रहे हैं।

नया भारत आपके घर में आकर मारता है, संयुक्त राष्ट्र में क्या कहकर रोने लगा पाकिस्तान

संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी राजदूत मुनीर अकरम का बड़ा बयान सामने आया है। पाकिस्तान ने संयुक्त राष्ट्र में विक्टिम कार्ड खेलने की कोशिश की है। वो पाकिस्तान जो दुनिया में आतंकवाद एक्सपोर्ट करता है वो यूएन में भारत को खतरनाक बता रहा है। पाकिस्तान के स्थायी राजदूत मुनीर अकरम ने कहा है कि नया भारत एक खतरनाक ईकाई है। उन्होंने कहा कि नया भारत आपके घर में आता है और आपको मारता है। महासभा को संबोधित करते हुए अकरम ने कहा कि पाकिस्तान के विदेश मंत्री ने सुरक्षा परिषद के साथ–साथ महासभा के महासचिव और अध्यक्ष को पाकिस्तान में लक्षित हत्याओं के भारत के अभियान की जानकारी दी। यह अतिरिक्त–क्षेत्रीय राजकीय आतंकवाद पाकिस्तान तक ही सीमित नहीं है। इसे कनाडा में राजनीतिक विरोधियों की लक्षित हत्याओं तक बढ़ाया गया है और संयुक्त राज्य अमेरिका और संभवतः अन्य देशों में भी इसका प्रयास किया गया है। वाशिंगटन पोस्ट ने बताया कि प्रधान मंत्री मोदी ने पिछले सप्ताह अपने उत्साही समर्थकों से कहा था कि आज, यहां तक घ्कि भारत के दुश्मन भी जानते हैं कि यह मोदी है। ये नया भारत है। ये नया भारत आपके घर में आता है और आपको मारता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के स्थायी प्रतिनिधि ने आरोप लगाया, यह नया भारत एक खतरनाक इकाई है, यह सुरक्षा नहीं बल्कि असुरक्षा का प्रदाता है। इससे पहले, शीर्ष ब्रिटिश दैनिक, द गार्जियन ने एक रिपोर्ट में दावा किया था कि भारत सरकार ने षविदेशी धरती पर रहने वाले आतंकवादियों को खत्म करने की व्यापक रणनीतिष के तहत पाकिस्तान के अंदर वांछित व्यक्तियों की हत्याएं करवाई हैं। इसी के बाद रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने कहा कि अगर आतंकवादी भारत में शांति भंग करने की कोशिश करते हैं या आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देते हैं तो उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया जाएगा और अगर वे पाकिस्तान भाग जाते हैं तो भारत पड़ोसी देश में घुसकर उन्हें मारेगा। राजनाथ सिंह ब्रिटिश अखबार 'द गार्जियन' में प्रकाशित एक खबर को लेकर पूछे गए एक सवाल का जवाब दे रहे थे जिसमें दावा किया गया है कि भारतीय खुफिया एजेंसियों ने 2019 के बाद राष्ट्रीय सुरक्षा दृष्टिकोण के तहत पाकिस्तान में आतंकवादियों की हत्या कराई है।

खैबर पख्तूनख्वा में तीन साल के बच्चे पर बिजली चोरी का लगा आरोप, दर्ज हुआ केस

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में एक अजीबोगरीब घटना सामने आई है। क्षेत्र में एक तीन वर्षीय बच्चे के खिलाफ बिजली चोरी का मामला दर्ज किया गया है। पेशावर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी (पीईएससीओ) और जल एवं विद्युत विकास प्राधिकरण (डब्ल्यूएपीडीए) की तरफ से शिकायत के बाद बच्चे के खिलाफ एफआईआर दर्ज किया गया। नाबालिग को अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश की अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां न्यायाधीश ने हलफनामा देखने के बाद मामले को खारिज कर दिया। हालांकि, पीईएससीओ और डब्ल्यूएपीडीए के अधिकारी बच्चे के आरोप को लेकर निश्चित नहीं हैं।

बिजली चोरी के कारण राष्ट्रीय खजाने को 438 अरब का नुकसान

बता दें कि पिछले महीने एक बड़े खुलासे के बाद यह घटना सामने आई है, जिसमें बिजली वितरण कंपनियों के भीतर बिजली चोरी के कारण राष्ट्रीय खजाने को 438 अरब रुपये का चौंकाने वाला नुकसान हुआ था। सात अप्रैल को पंजाब ऊर्जा विभाग ने बिजली वितरण कंपनियों द्वारा सरकारी संस्थानों से अधिक शुल्क वसूलने पर चिंता जताई। बिजली विभाग ने इस मुद्दे पर कहा कि लाहौर इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी, फैसलाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी, मुल्तान इलेक्ट्रिक पावर कंपनी, गुजरांवाला इलेक्ट्रिक पावर कंपनी, और इस्लामाबाद इलेक्ट्रिक सप्लाई कंपनी सरकारी विभागों से अधिक शुल्क वसूलने के लिए दोषी थीं। प्रांतीय विभागों में 1,02,000 से अधिक बिजली कनेक्शन के साथ, वास्तविक खपत और बिल की गई राशि के बीच अंतर स्पष्ट था। विभाग ने खुलासा किया कि वित्तीय वर्ष 2022–23 में प्रांतीय विभागों ने 1.91 अरब से अधिक की बिजली की खपत की, लेकिन उन्हें इसके लिए 76 अरब का भुगतान करना पड़ा। इस मामले से निपटने के लिए संघीय सरकार ने बिजली चोरी पर अंकुश लगाने और राजस्व वसूली को बढ़ाने के लिए बिजली वितरण कंपनियों में संघीय जांच अधिकारियों की तैनाती को मंजूदी दे दी।

मशिगन विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थकों के शिविर को तोड़ा गया

पुलिस ने जन सुरक्षा का हवाला देते हुए मिशिगन विश्वविद्यालय में फलस्तीन समर्थकों के एक शिविर को तोड़ दिया। पुलिस अधिकारियों ने मिशिगन विश्वविद्यालय के डियाग इलाके से लगभग 50 लोगों को बाहर निकाला। इस दौरान पुलिसकर्मी हैलमेट पहने हुए थे और चेहरे पर बचाव के लिए शील्ड लगाए थे। यह स्थान दशकों से कैंपस में विरोध प्रदर्शन का स्थान रहा है। पुलिस ने चार लोगों को गिरफ्तार किया है। फलस्तीन

समर्थक छात्र समूहों के एक गुट ने सोशल मीडिया पर कहा, हम नहीं रुकेंगे, हम थकेंगे नहीं। फलस्तीन के समर्थन में प्रदर्शन करने वाले छात्रों ने 22 अप्रैल को विश्वविद्यालय के परिसर में शिविर स्थापित किया था। प्रदर्शनकारियों ने यूनिवर्सिटी ऑफ मिशिगन के अध्यक्ष सांता ओनो और अन्य अधिकारियों पर तंज कसने वाले पोस्टर भी चस्पा किए। विश्वविद्यालय के परिसर से शिविर हटाने के बाद स्नातक और परास्नातक पुस्तकालयों सहित आस–पास की इमारतों को बंद कर दिया गया और पुलिस ने पढ़ाई करने आए छात्रों को वापस भेज दिया।

विमान में टर्बुलेंस से हुई मौत और घायलों को लेकर जांच जारी, एयरलाइन बोली- हम कर रहे सहयोग

सिंगापुर। लंदन से सिंगापुर जा रही सिंगापुर एयरलाइंस की फ्लाइट में खतरनाक टर्बुलेंस के कारण एक यात्री की मौत हो गई। इस टर्बुलेंस के कारण 30 अन्य लोग घायल भी हुए। इस घटना के बाद एयरलाइंस ने बुधवार को बताया कि वह जांच में अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। टर्बुलेंस के कारण 73 वर्षीय ब्रिटिश यात्री जेफ्री किचन की उड़ान के दौरान दिल का दौरा पड़ने से जान चली गई। बैंकॉक के सुवर्णभूमि एयरपोर्ट के महाप्रबंधक किट्टीपोंग किट्टीकाचोर्न ने इसकी जानकारी दी। 20 मई को लंदन (हीथ्रो) से सिंगापुर के लिए उड़ान भरने वाली सिंगापुर एयरलाइंस (एसआईए) की उड़ान एसक्यू 321 को प्रस्थान के लगभग 10 घंटे बाद 37,000 फीट की ऊंचाई पर इरावदी बेसिन पर अचानक गंभीर टर्बुलेंस का सामना करना पड़ा। इसके बाद पायलट ने मेडिकल आपातकाल की घोषणा की और विमान को बैंकॉक की ओर मोड़ दिया। इस घटना घायल हुए 30 यात्रियों का बैंकॉक के अस्पताल में इलाज जारी है। बोइंग 777–300 ईआर विमान 211 यात्रियों और चालक दल के 18 सदस्यों को लेकर सिंगापुर जा रहा था। इसमें तीन भारतीय भी शामिल हैं। इसके अलावा विमान में ऑस्ट्रेलिया के 56, कनाडा के 2, जर्मनी के 1, भारत के 3, इंडोनेशिया के 2, आइसलैंड के 1, आयरलैंड के 4, इस्राइल के 1, मलेशिया के 16, म्यांमार के 2, न्यूजीलैंड के 23, फिलीपींस के 5, सिंगापुर के 41, दक्षिण कोरिया के 1, स्पेन के 2, यूनाइटेड किंगडम के 47 और संयुक्त राज्य अमेरिका के 4 यात्री सवार थे। एसआईए के मुख्य कार्यकारी अधिकारी गोह चून फोंग ने कहा कि एयरलाइंस इस घटना की जांच में संबंधित अधिकारियों के साथ पूरा सहयोग कर रही है। 22 मई को एक राहत उड़ान के माध्यम से सिंगापुर पहुंचे 131 यात्रियों और 12 चालक दल के सदस्यों का उन्होंने चांगी एयरपोर्ट पर स्वागत किया। एयरलाइन ने पुष्टि की कि 22 मई को एक राहत उड़ान के माध्यम से सिंगापुर पहुंचे 131 यात्रियों और 12 चालक दल के सदस्यों का गोह ने चांगी हवाई अड्डे पर स्वागत किया।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता

स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित

सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332

आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466

Email : shaharsamta@gmail.com

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।